डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-8

सिनेमाः कपिल शर्मा ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के बंगले को बताया व्हाइट हाउस

वर्ष -08 अंक -46 प्रयागराज सोमवार 25 अप्रैल, 2022 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

धर्म संसद में न हो कोई हंगामा

नई दिल्ली। उत्तराखंड के रुड़की में प्रस्तावित धर्म संसद में किसी तरह का हंगामा न हो इसके लिए राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट की ओर से जरूरी कदम उठाने के लिए कहा गया है। भड़काऊ भाषण के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड के रुड़की में प्रस्तावित धर्म संसद में किसी तरह के भड़काऊ भाषण को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने का प्रदेश सरकार को आदेश दिया है। कोर्ट ने उठाए गए कदमों और की गई कार्यवाही के बारे में राज्य के मुख्य सचिव से हलफनामा मांगा है। भड़काऊ भाषण का मामला। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड के रुड़की में कल प्रस्तावित धर्म संसद में किसी तरह के भड़काऊ भाषण को होने से रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने का प्रदेश सरकार को दिया आदेश। उठाए गए कदमों और की गई कार्यवाही के बारे में राज्य के मुख्य सचिव से मांगा हलफनामा।कोर्ट ने कहा कि हेट स्पीच को रोका नहीं गया तो जिम्मेदार मुख्य सचिव होंगे और उन्हें कोर्ट में तलब किया जाएगा।

देश में फिर बढ़ा कोरोना का खतरा

नई दिल्ली। देशभर में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे है। इस बीच दिल्ली के अस्पताल के एमडी डॉ सुरेश कुमार ने सोमवार को कहा कि कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज शरीर के इम्यूनिटी को बढ़ावा देने में मददगार होगी। इसलिए हर किसी को बूस्टर डोज लेना चाहिए जिससे आप अपने परिवार और समाज को इस

महामारी से बचा सकें।समाचार एजेंसी से बात करते हुए डॉ कुमार ने कहा कि देश में बढ़ रहे मामलों पर कोरोना वैक्सीन के बूस्टर डोज पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि देश के सभी सरकारी अस्पतालों में बूस्टर डोज उपलब्ध है इसलिए हर व्यक्ति को बूस्टर डोज लगवाना चाहिए। यह इम्युनिटी बढ़ाने में मददगार होगी।डॉ कुमार ने कहा कि हमने देखा है कि कोरोना के दो डोज के बाद अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में कमी आई है।

शिवगिरि तीर्थ यात्रा की 90वीं वर्षगांठ पीएम मोदी बोले- ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिवगिरि तीर्थ यात्रा की 90वीं वर्षगांठ और ब्रह्म विद्यालय की स्वर्ण जयंती के वर्ष भर चलने वाले संयुक्त समारोह के उद्घाटन

कार्यक्रम में हिस्सा लिया। पीएम मोदी ने इस दौरान लोगों को संबोधित भी किया। कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली के 7 लोक कल्याण मार्ग पर हुआ। पीएम मोदी ने कहा कि तीर्थदानम् की 90 सालों की यात्रा और ब्रह्म विद्यालयम् की गोल्डन जुबली, ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये भारत के उस विचार की भी अमर यात्रा है, जो अलग-अलग कालखंड में अलग-अलग माध्यमों के जरिए आगे बढ़ता रहता है। मोदी ने बताया कि जब केदारनाथ जी में बहुत बड़ा हादसा हुआ। यात्री जीवन व मृत्यु के बीच जूझ रहे थे। उत्तराखंड में और केंद्र में तब कांग्रेस की सरकार थी। तब मैं गुजरात में मुख्यमंत्री था। तब शिवगिरि मठ से मुझे फोन कॉल आया कि हमारे संत वहां फंस गए हैं, उनका पता नहीं लग रहा है और ये काम आपको करना है। बड़ी-बड़ी सरकारें होने के बाद भी शिवगिरि मठ ने ये काम मुझे दिया। मुझे उसे सेवा कार्य का मौका मिला और सभी संतों को मैं सही-सलामत वापस ला पाया। पीएम ने कहा, 'वाराणसी में शिव की नगरी हो या वरकला में शिवगिरि, भारत की ऊर्जा का हर केंद्र, हम सभी भारतीयों के जीवन में विशेष स्थान रखता है। ये स्थान केवल तीर्थ भर नहीं हैं, ये आस्था के केंद्र भर नहीं हैं, ये 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना के जाग्रत प्रतिष्ठान हैं।' दुनिया के कई देश, कई सभ्यताएं जब अपने धर्म से भटकीं, तो वहां आध्यात्म की जगह भौतिकतावाद ने ले ली, लेकिन भारत के ऋषियों, संतों, गुरुओं ने हमेशा विचारों और व्यवहारों का शोधन किया, संवर्धन किया। पीएम ने कहा कि नारायण गुरुजी ने धर्म को शोधित किया, परिमार्जित किया, समयानुकूल परिवर्तन किया। उन्होंने रूढियों और बुराइयों के खिलाफ अभियान चलाया और भारत को उसके यथार्थ से परिचित कराया। नारायण गुरुजी ने जातिवाद के नाम पर चल रहे, भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी। मोदी ने आगे कहा कि हम सभी की एक ही जाति है- भारतीयता। हम सभी का एक ही धर्म है- सेवा धर्म, अपने कर्तव्यों का पालन। हम सभी का एक ही ईश्वर है- भारत मां के 130 करोड़ से अधिक संतान। हमें ये भी याद रखना चाहिए कि हमारा स्वतंत्रता संग्राम केवल विरोध प्रदर्शन और राजनैतिक रणनीतियों तक ही सीमित नहीं था। ये गुलामी की बेडि़यों को तोड़ने की लड़ाई तो थी ही, लेकिन साथ ही एक आजाद देश के रूप में हम होंगे, कैसे होंगे, इसका विचार भी था।

हिजाब विवाद में सुनवाई-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। कर्नाटक के बहुचर्चित हिजाब विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वो दो दिन बाद इस मामले की सुनवाई पर विचार करेगा। सुप्रीम कोर्ट के

मुख्य न्यायाधीश एनवी रमनन ने कहा कि वे अगले दो दिनों में इस मामले को सुनवाई के लिए लिस्ट करेंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब बैन को बरकरार रखने वाले कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर अपील का उल्लेख किया। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'मैं इस मामले को लिस्ट करूंगा, बस दो दिन का इंतजार करो। बता दें कि पिछले दिनों शैक्षणिक संस्थानों पर हिजाब पहनने के मुद्दे पर कर्नाटक हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया था। हाईकोर्ट ने संस्थानों में छात्राओं को हिजाब पहनकर आने की अनुमति देने की मांग को खारिज कर दिया था। तब हाईकोर्ट की पीठ ने कहा था कि हिजाब पहनना इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। अदालत के आदेश के बाद कर्नाटक सरकार ने कक्षा में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया और घोषणा की कि छात्राओं और शिक्षकों को हिजाब पहनकर परीक्षा केंद्र के भीतर आने की अनुमति नहीं होगी। कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। हिजाब विवाद की शुरुआत उडुपी जिले में एक कालेज से हुई थी। कालेज में कुछ लड़कियां कालेज हिजाब पहनकर आई थी, जिस वजह से उन्हें क्लास में बैठने से रोक दिया गया था। इसके बाद क्लास में पढ़ाई के दौरान हिजाब पहनने से रोके जाने के मुद्दे ने तूल पकड़ लिया। इसके बाद इस मुद्दे को लेकर कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन भी हुए थे।

एफटीए पर स्थिति साफ करेगी पीएम मोदी और यूरोपीय आयोग की प्रेसिडेंट उर्सूला लेयन की वार्ता, जानें क्या होगा एजेंडा

नई दिल्ली। बहुत संभव है कि जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जानसन के साथ शुक्रवार को हुई बैठक में दीवाली तक भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करने की सीमा खींच दी थी, उसी तरह भारत और यूरोपीय संघ (इन्यू) के बीच भी व्यापार समझौते को लेकर एक समय तय कर दिया जाए। प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग की प्रेसिडेंट उर्सूला लेयन के बीच सोमवार को उच्चस्तरीय बैठक होगी जिसमें द्विपक्षीय कारोबार और ऊर्जा संबंधों पर खास जोर होग भारत की मंशा है कि यूरोपीय संघ और इसके पूर्व सदस्य ब्रिटेन के साथ एक साथ व्यापार समझौता हो। ब्रिटेन के साथ बातचीत तो काफी आगे बढ़ी है, लेकिन यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते को लेकर वार्ता अभी रफ्तार नहीं पकड़ सकी है। हालांकि दोनों पक्षों के बीच वर्ष 2007 से वर्ष 2013 तक इस संदर्भ में बातचीत हुई थी और इसीलिए माना जा रहा है कि राजनीतिक नेतृत्व के निर्देश के बाद आगे बढ़ने में मुश्किल नहीं होगी। अगले दो दिनों के भीतर विदेश मंत्री एस. जयशंकर की यूरोपीय संघ के कई देशों के विदेश मंत्रियों के साथ होने वाली द्विपक्षीय मुलाकातों में भी

कारोबारी मुद्दों पर ही ज्यादा चर्चा होना तय है। यूरोपीय संघ न सिर्फ भारत के सबसे बड़े आर्थिक साझीदारों में से एक है, बल्कि वह भारत का एक पुराना रणनीतिक साझीदार भी है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद इन सभी देशों की तरफ से भारत के साथ संपर्क बढ़ाने के संकेत हैं। इन देशों में खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंताएं पैदा हो रही हैं और इन दोनों क्षेत्रों में भारत को यह भावी साझीदार के तौर पर देख रहे हैं। इस वजह से भी ये भारत के साथ कारोबारी समझौते को लेकर उत्सुक हैं। पिछले वर्ष यूरोपीय संघ ने हिंद प्रशांत क्षेत्र को लेकर अपनी पहली रणनीति का भी एलान किया है जिसके बाद भारत के साथ उसके रिश्तों को नया आयाम मिलने की संभावना है। बताया गया है कि आगामी दिनों में हिंद प्रशांत क्षेत्र को लेकर दोनों पक्षों की भावी रणनीति को लेकर मोदी और उर्सूला के बीच विमर्श होगा। इन नेताओं के बीच यूक्रेन-रूस युद्ध का मुद्दा भी महत्वपूर्ण रहेगा। यूरोपीय संघ के कई देश पूर्व में भारत और रूस के रिश्तों को लेकर अपनी नाखुशी जाहिर कर चुके हैं। खास तौर पर भारत जिस तरह से रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वोटिंग के दौरान अनुपस्थित रहा था, उसको लेकर कई यूरोपीय देशों की प्रतिक्रियाएं आई थीं। लेकिन भारत के कड़े रुख को देखते हुए अब इन देशों का रवैया बदल गया है। ऐसे में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष की तरफ से भारत-रूस रिश्तों से ज्यादा भारत व यूरोपीय संघ के रिश्तों पर ज्यादा ध्यान दिए जाने की संभावना है। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने कहा है कि ब्रिटेन की तरह यूरोपीय संघ के साथ होने वाली वार्ता में भी पर्यावरण के हितों के मुताबिक ऊर्जा स्रोतों का मुद्दा एक अहम बिंदु होगा। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद परिदृश्य काफी तेजी से बदला है और इन्यू के देश अपने ऊर्जा स्त्रोतों के लिए दूसरे विकल्प तलाश रहे हैं।

रायसीना डायलाग : यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन ने किया यूक्रेन संकट का जिक्र

नई दिल्ली। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन ने सोमवार को रायसीना डायलाग में यूक्रेन पर रूसी हमले का जिक्र किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यूक्रेन पर रूस के हमले से जो तस्वीरें सामने आ रही हैं उन्होंने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। दो हफ्ते पहले मैंने कीव के उपनगर बुचा का दौरा किया था जो रूसी सैनिकों के हमले में तबाह हो गया है। मैंने बमबारी से बर्बाद हो चुके स्कूल, खंडहर बन चुकी आवासीय इमारतों और अस्पतालों को देखा है। यह अंतरराष्ट्रीय कानूनों का गंभीर उल्लंघन है। उर्सुला वान डेर लेयेन ने कहा कि हर पांच साल बाद जब भारत के लोग आम चुनावों में मतदान करते हैं तो पूरी दुनिया देखती है। एक जीवंत लोकतंत्र के रूप में भारत और यूरोपीय संघ मौलिक मूल्यों को साझा करते हैं। हम सभी अपने खुले और मुक्त समाजों के लिए बढ़ रही चुनौतियों को देख रहे हैं। वास्तविकता यह है कि दुनिया भर में शांति और सुरक्षा का आधार बनने वाले मूल सिद्धांत आज दांव पर हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी भी रायसीना संवाद के 7वें संस्करण

के उद्घाटन सत्र में शामिल हुए। उर्सुला वान डेर लेयेन ने कहा कि मैंने यूक्रेन में देखा कि लाशें जमीन पर पड़ी हैं। मैंने वहां सामूहिक कब्रें देखीं। मैंने रूसी सैनिकों द्वारा किए गए क्रूर अपराधों के बचे लोगों की बातें सुनीं। निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना उनकी हत्या करना स्वतंत्र लोगों पर दमन करना अंतरराष्ट्रीय कानून के गंभीर उल्लंघन हैं। हम यूरोप में रूसी आक्रामकता को अपनी सुरक्षा के लिए खतरे के तौर पर देखते हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यूक्रेन के खिलाफ किया गया रूसी हमला विफल साबित हो।उर्सुला वान डेर लेयेन ने कहा कि आजादी के लिए लड़ने में यूक्रेन की मदद करने के लिए हम हर संभव प्रयास कर रहे हैं। हमने प्रभावी प्रतिबंध भी लगाए हैं। दोनों देशों के अंतरराष्ट्रीय संबंधों से हम क्या उम्मीद कर सकते हैं? यह एक निर्णायक क्षण है। मौजूदा वक्त में लिए गए हमारे फैसले आने वाले दशकों को आकार देंगे। रूस की आक्रामकता को दिया गया हमारा जवाब अंतरराष्ट्रीय प्रणाली और वैश्विक अर्थव्यवस्था दोनों का भविष्य तय करेगी। उर्सुला वान डेर लेयेन ने कहा कि इस साल फरवरी में रूस और चीन ने एक अनर्गल समझौता किया है। उन्होंने घोषणा की है कि उनके बीच की दोस्ती की कोई सीमा नहीं है। हमें यह विचार करना होगा कि यूरोप और एशिया के लिए इसके क?या मायने हैं। वहीं विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि रायसीना संवाद में सात वर्षों में 99 देशों के 1200 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। मैं यह पूरी विनम्रता से कह सकता हूं कि रायसीना संवाद अपने आप में एक सर्वश्रेष्ठ प्रयास है। यह जैसे जैसे विकसित होता गया इसमें यूरोप एक बड़ा भागीदार बना।

भारत में इस साल बेहद खतरनाक है गर्म हवा के थपेड़े, किस राज्य में कितनी आई हीट वेव

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों का सीएसई ने विश्लेषण किया है। इन आंकड़ों के अनुसार, 2022 की शुरुआती हीट वेव 11 मार्च को शुरू हुई थी, जिसने 15 राज्यों और

केंद्र शासित प्रदेशों (24 अप्रैल तक) को प्रभावित किया है। राजस्थान और मध्य प्रदेश सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। इस अवधि के दौरान, इन राज्यों में हीट वेव के 25 दिन (भीषण गर्मी की लहर / लू) सबसे बुरे रहे। आईएमडी का कहना है कि हीट वेव तब होता है, जब किसी जगह का तापमान मैदानी इलाकों में 40 डिग्री सेल्सियस, तटीय क्षेत्रों में 37 डिग्री सेल्सियस और पहाड़ी क्षेत्रों में 30 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है। जब किसी जगह पर किसी ख़ास दिन उस क्षेत्र के सामान्य तापमान से 4.5 से 6.4 डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान दर्ज किया जाता है, तो मौसम एजेंसी हीट वेव की घोषणा करती है। यदि तापमान सामान्य से 6.4 डिग्री सेल्सियस अधिक है, तो आईएमडी इसे 'गंभीर' हीट वेव घोषित करता है। आईएमडी हीट वेव घोषित करने के लिए एक अन्य मानदंड का भी उपयोग करता है, जो पूर्ण रूप से दर्ज तापमान पर आधारित होता है। यदि तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है, तो विभाग हीट वेव घोषित करता है। जब यह 47 डिग्री को पार करता है, तो 'गंभीर' हीट वेव की घोषणा की जाती है। आश्चर्यजनक रूप से, राजस्थान और मध्य प्रदेश के बाद, हिमाचल प्रदेश जैसा पर्वतीय राज्य इस वर्ष हीट वेव से सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। यहां हीट वेव और गंभीर हीट वेव के 21 दिन दर्ज किए गए। आईएमडी के आंकड़ों में एक विवादित बिंदु भी है। मौसम एजेंसी ने आधिकारिक तौर पर ओडिशा के लिए केवल एक हीट वेव दिवस घोषित किया है, जबकि डाउन टू अर्थ ने हाल ही में 24 अप्रैल को राज्य भर में 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान दर्ज किए जाने और अप्रैल की शुरुआत से ही लगातार बढ़ते तापमान की सूचना दी है। कोट्टायम स्थित इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट चेंज स्टडीज के डी शिवानंद पाई का कहना है कि मार्च में राजस्थान के पश्चिमी हिस्सों में एंटी-साइक्लोन और बारिश वाले पश्चिमी विक्षोभ की अनुपस्थिति शुरुआती हीट वेव के कारण रहे। वायुमंडल में उच्च दबाव प्रणाली के आसपास तापमान बढाने वाली हवाओं के होने से, एंटी-साइक्लोन गर्म और शुष्क मौसम का कारण बनते हैं।

12 साल के बच्चों के लिए कार्बेवैक्स व 6-12 साल के बच्चों के लिए कोवैक्सीन को मिली डीसीजीआई की मंजूरी

नई दिल्ली। अब 5-12 साल के बच्चों को कोरोना वैक्सीन की डोज दी जाएगी। ड्रग कंट्रोलर जनरल

आफ इंडिया ने मंगलवार को इसकी मंजूरी दे दी। इसके तहत 5-12 साल के बच्चों को बायोलाजिकल ई की कार्बेवैक्स व 6-12 साल के बच्चों को भारत बायोटेक की कोवैक्सीन की डोज दी जाएगी। वहीं 12 साल से अधिक उम्र के किशोरों को जायडस कैडिला की कोरोना वैक्सीन जायकोव डी के दो डोज दिए जाएंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने ट्वीट कर यह अहम जानकारी दी । सूत्रों के अनुसार भारत बायोटेक की कोरोना वैक्सीन 'कोवैक्सीन' की डोज बच्चों को दी जाएगी। ने कुछ शर्तों के साथ 6 से 12 साल के आयु वर्ग के लिए भारत बायोटेक की कोविड-19 वैक्सीन, कोवैक्सीन को प्रतिबंधित आपातकालीन उपयोग की मंजूरी दे दी है। पिछले ही सप्ताह अ्ण्उघ् की विषय विशेषज्ञ समिति ने स्कूलों में बढ़ते कोरोना मामलों को देखते हुए 6 से 12 सालों के बच्चों के लिए भारत बायोटेक की कोवैक्सीन की सिफारिश की थी। इस सिफारिश को अंतिम निणन्य के लिए के पास भेजा गया था। इस सिफारिश को अंतिम निणन्य के लिए के पास भेजा गया था।

समाधान दिवस में आए दस शिकायती प्रार्थनापत्र

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। बीते आठ जनवरी 2022 को अंतिम समाधान दिवस आयोजित किया गया था। तत्पश्चात आदर्श आचार संहिता लागू हो गई थी। शनिवार 23 अप्रैल को पुनः समाधान दिवस का आयोजन फूलपुर कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक काशीनाथ व माजिद खान की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें फरियादियों व राजस्व कर्मियों की संख्या में कमी रही। फिर भी दस शिकायती प्रार्थनापत्र जमीनी विवाद से संबंधित प्राप्त हुए। जिसे संबंधित बीट कांस्टेबल व लेखपालों को निस्तारण हेतु सौंप दिया गया। मौके पर ददन भाई, म0कां0 प्रतिमा वर्मा, मनोज मिश्रा गार्ड आदि के अलावा लेखपाल व राजस्व निरीक्षक मौजूद रहे।

एक संगीन जुर्म फिर कामयाब पर अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज में लूटपाट जैसे जुर्म बढ़ते ही जा रहे हैं जिसकी ना कोई सुनवाई होती है और ना लूटपाट करने वाले अपराधी पकड़े जाते हैं ऐसी ही एक घटना 23 अप्रैल 2022 को अवधेश कुमार मिश्रा पुत्र राम सलोने मिश्रा निवासी ग्राम मसीका थाना औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज के साथ रात्रि 10:10 पर हुई जब अवधेश मिश्रा प्रतिदिन की भांति रात्रि में अपनी ड्यूटी खत्म कर एग्रीकल्चर फ्रेंड कॉलोनी नैनी से अपने घर की ओर जा रहे थे तभी एग्रीकल्चर से कुछ दूर जाने पर ही इंदलपुर में क्रिस्चियन कब्रिस्तान के पहले ही उन्हें अज्ञात 3 व्यक्तियों ने हाथ देकर रोक लिया जैसे ही अवधेश कुमार मिश्रा रुके तो उन्होंने उन तीन अज्ञात व्यक्तियों में से एक व्यक्ति को पहचाना जिसका नाम कृष्ण कुमार मिश्रा उर्फ छोटू काका पुत्र स्वर्गीय शिव कुमार मिश्रा निवासी ग्राम मसीका थाना औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज था कृष्ण कुमार मिश्रा उर्फ छोटू काका द्वारा अवधेश कुमार मिश्रा एवं उनके परिवार से गांव की प्रधानी को लेकर पुरानी रंजिश रखता है हाथ देकर रोके जाने पर अवधेश कुमार मिश्रा पर कृष्ण कुमार मिश्रा ने तत्काल कट्टा तान दिया और

साथ आए दो अज्ञात साथियों से कहा कि आज ही इसका काम तमाम कर देते हैं उसके बाद कृष्ण कुमार मिश्रा के कहने पर उसके साथ आये दोनों अज्ञात साथियों ने अवधेश कुमार मिश्रा को घसीटकर जमीन पर गिरा दिया और लात, घुसा, मुक्को एवं कट्टे के बट से लगातार पीटने लगे साथ ही साथ भद्दी भद्दी गालियां भी दे रहे थे जब सड़क पर गिरे अवधेश कुमार मिश्रा पर लोगों की निगाह गई तो कृष्ण कुमार मिश्रा अपने साथियों से कहने लगा कि इसे जल्दी मारो नहीं तो भीड़ जमा होने के कारण यह बच जाएगा और करने दो इसे कंप्लेन देखता हूं यह और पुलिस प्रशासन मिलकर मेरा क्या बिगाड़ लेंगे मेरा भाई पीएसी में है अवधेश कुमार मिश्रा को पीटने के बाद इन अपराधियों ने उनकी जेब में से एटीएम द्वारा निकाले गए ?4000 भी लूटे और वाहन बुलेट जिसका नंबर यूपी 70 ई0के0 7078 पर बैठकर कट्टा लहराते हुए वहां से चले गए जिसके बाद किसी तरह अवधेश कुमार मिश्रा उठ कर नैनी थाने पहुंचे और वहां पर इन अपराधियों के खिलाफ एप्लीकेशन लगाया समाचार प्रकाशित होने तक प्रशासन द्वारा तहकीकात तो जारी है पर अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है आए दिन होने वाले इस लूटपाट इत्यादि जैसे अपराधों पर प्रशासन को जल्द से जल्द कार्यवाही करने की आवश्यकता है इन घटनाओं को कम न आकते हुए बड़े जुर्म ना हो उसके पहले ही संज्ञान लेने की जरूरत है ।

रेल सेवा से जुड़ी बड़ी खबर, आज रात ढाई घंटे बंद रहेगा पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम सेवा

प्रयागराज। रेलयात्री ध्यान दें। रेल सेवा से जुड़ी बड़ी खबर आपको बता रहे है। इस खबर को आप ध्यान से पढ़ लें अन्यथा रिजर्वेशन से लेकर अन्य तरह की सुविधाओं को इस्तेमाल करने में समस्या होगी। खास न्यूज उनके लिए है, जो रेलवे की पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) सेवा का इस्तेमाल करते हैं। पीआरएस सेवा तकनीकी कारणों से बंद की जा रही है और ऐसे में यात्री इसका इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। हालांकि यह समस्या सिर्फ आज मंगलवार की रात में केवल ढ़ाई घंटे तक बंद रहेगी। अगली सुबह से यह सेवा पुनः बहाल कर दी जाएगी। यानी यात्री पुनः से रेलवे की पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) सेवा का इस्तेमाल पूर्व की भांति कर सकेंगे रेलवे ने पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) में तकनीकी सुधार होना है। इसके लिए आधी रात से कार्य शुरू होना है। जब तक तकनीकी कार्य चलता रहेगा तब तक पीआरएस सिस्टम अस्थायी रूप से स्थगित रहेगा। यानी इस दौरान रेलवे संबंधी सभी तरह की कंप्यूटरीकृत पूछताछ सेवा की सुविधा पूर्णतः प्रभावित रहेगी। इस दौरान आइवीआरएस/टच स्क्रीन, काल सेंटर (टेलीफोन नंबर-139) के जरिए मिलने वाली सुविधा भी प्रभावित रहेगी। यानी न तो यात्रा टिकट जारी होंगे और न ही टिकट को निरस्त करने की प्रक्रिया पूरी हो सकेगी आज मध्यरात्रि में सेवा बंद रहेगी एनसीआर सीपीआरओ एनसीआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डा. शिवम शर्मा ने बताया कि रेलवे की पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) सेवा का इस्तेमाल यात्री 26 व 27 अप्रैल की मध्यरात्रि में नहीं कर सकेंगे। पीआरएस सेवा 02.30 घंटे तक बंद रहेगी। इस दौरान सिस्टम अपग्रेड किया जाएगाा। अपडेशन के दौरान टिकट बुकिंग, कैंसिलेशन, चार्टिंग, काउंटर पर पूछताछ आदि सेवाएं प्रभावित रहेंगी।इस संदर्भ में उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी दीपक कुमार ने बताया कि 26 अप्रैल को रात्रि 11.45 बजे से 27 अप्रैल की सुबह 02.15 बजे तक 02.30 घंटे पीआरएस सेवा बंद रहेंगी।

अंग्रेजों के नाम की सड़कों पर दर्ज होगा देश के वीर सपूतों का नाम

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज जनपद में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अंग्रेजी शासनकाल के दौरान यहां की तमाम सड़कों का नामकरण अंग्रेजों के नाम पर किया गया था। तब से आज तक सड़कों को उन्हीं के नाम से जाना जाता है। हालांकि अब इसमें बदलाव होने जा रहा है। अंग्रेजों की नामकरण की सड़कों का नाम बदलेगा और अब इन मार्गों को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम से जाना जाएगा। यानी अंग्रेजों के नाम वाली सड़कों का नामकरण वीर सपूतों के नाम पर होगा प्रयागराज में कूपर रोड, थार्नहिल रोड, क्लइव रोड, स्ट्रेची रोड जैसी तमाम सड़कें हैं, जिनके नाम से ही पता चलता है कि अंग्रेजों के नाम पर इनका नामकरण किया गया है। हालांकि पहले हीवेट रोड जैसे नाम वाली सड़कों का नाम बदला भी जा चुका है लेकिन अब भी अंग्रेजों के नाम से जानी जाने वाली सड़कों का नामकरण नहीं बदला था हालांकि अब इस संबंध में महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) बोर्ड की 133वीं बैठक में तय किया गया है कि शहर में अंग्रेजों के नाम से जो भी सड़कें हैं, उसका नाम बदलकर देश के वीर सपूतों के नाम किया जाए। इसके लिए नगर निगम को कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया गया। बैठक में डीएम संजय खत्री, पीडीए उपाध्यक्ष अरविंद चौहान, पीडीए सचिव अजीत कुमार सिंह, नगर आयुक्त रविरंजन, राजेश कुमार श्रीवास्तव, आरवेज उदयन, रामायण शरण, मनोज मिश्रा, टीपी सिंह, विनोद कुमार, वीके सिंह, नामित सदस्य राजेंद्र मिश्र, रणजीत सिंह, कमलेश कुमार, साहिल अरोरा, दीपक कुशवाहा, मो. आजम, मंजीत कुमार आदि थे। नवाब यूसुफ रोड का नाम बदलने का प्रस्ताव 27 अप्रैल को नगर निगम की कार्यकारिणी की बैठक में पास हो सकता है। बोर्ड की बैठक में नवाब यूसुफ रोड पर रायल होटल के बगल से हर्ष होटल होते हुए जीएचएस भवन के सामने से राजापुर तक जाने वाले सड़क का भी नाम जल्द बदलने की तैयारी है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार संघ ने किया दरोगा का सम्मान

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जनपद के पुलिस कंट्रोल रूम प्रभारी रवि कांत श्रीवास्तव आर0एस0आई0को उनकी कर्तव्यनिष्ठा,कोरोना संक्रमण काल में उनकी मानवीय संवेदना एवं कार्य के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार संघ ने उन्हें कोरोना योद्धा सम्मान से सम्मानित किया है।संघ के प्रदेश अध्यक्ष अजब सिंह मीना ने उन्हें ईमानदार,कर्तव्यनिष्ठ और ड्यूटी के प्रति हमेशा सजग रहने और समय अवधि का ध्यान रखते हुए उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार कार्य करने वाला एसआई बताते हुए उन्हें कोरोना योद्धा सम्मान से सम्मानित किया है संघ के अनुसार वह गरीबों की मदद के लिए तत्पर रहते हैं और भूखे को भोजन और कपड़े आदि देकर उनकी मदद करते हैं।

मुंबई रूट पर ट्रेन में नो रूम से परेशान न हों, 28 अप्रैल से चलने वाली ट्रेन में सीट कंफर्म कराएं

प्रयागराज। गर्मी की छुट्टी में घूमने का प्लान बना रहे हैं और मुंबई रूट पर जाने की योजना है तो यह खबर बड़े काम की है। इस समय मुंबई रूट की सभी ट्रेनें फुल हैं। सभी ट्रेनों में लंबी वेटिंग चल रही है। ऐसे में यात्रियों मुंबई पहुंचने के लिए यात्रियों को पालन करना होगा इस साप्ताहिक विशेष ट्रेन की समय सारिणी रेलवे ने जारी कर दी है। समय सारिणी के अनुसार 01051 01052 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-मऊ स्पेशल ट्रेन 28 अप्रैल को लोकमान्य तिलक से सुबह 05.15 बजे रवाना होगी। अगले दिन सुबह 08.30 बजे जंक्शन, दोपहर 12.45 बजे मऊ पहुंचेगी। वापसी में यह मऊ से 30 अप्रैल को सुबह 05.45 बजे चलेगी, सुबह 10.05 बजे जंक्शन, अगले दिन दोपहर 12.00 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डा. शिवम शर्मा ने बताया कि मुंबई से मऊ के बीच चलने वाली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन में कुल 24 कोच होंगे। इस गाड़ी में एसएलआरडी के दो, साधारण द्वितीय श्रेणी के पांच, शयनयान श्रेणी के 10, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के चार, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के दो तथा वातानुकूलित प्रथम श्रेणी के एक कोच को जोड़ा जाएगा।

खेलो इंडिया योजना प्रतापगढ़ में दो वर्ष पहले ही बनने थे चार मिनी स्टेडियम अभी भी काम अधूरा

प्रयागराज। ये है यूपी के प्रतापगढ़ जनपद की ग्रामीण प्रतिभाएं। खेल के मंच पर दो-दो हाथ करने को ये बेकरार तो है लेकिन उन्हें सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। यानी ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अफसरों की लापरवाही का दंश ग्रामीण अंचल की प्रतिभाएं झेल रही है। जिले में स्वीकृत चार मिनी स्टेडियम को दो वर्ष पहले ही बन जाने थे, लेकिन अभी तक काम पूरा नहीं हो सका है। केंद्र सरकार की खेलो इंडिया योजना : गांवों में रहने वाले खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के लिए केंद्र सरकार ने करीब तीन वर्ष पूर्व खेलो इंडिया योजना लागू की थी। इसके तहत हर ब्लाक में मिनी स्टेडियम का निर्माण कराया जाना था। जिले में केंद्र सरकार की योजना से देवसरा ब्लाक के देवसरा, पट्टी ब्लाक के ढिढुई व मंगरौरा ब्लाक के सरसीखाम और मुख्यमंत्री की योजना के तहत शिवगढ़ ब्लाक के नजियापुर गांव में मिनी स्टेडियम के निर्माण की स्वीकृति मिली थी। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को स्टेडियम बनाने की जिम्मेदारी : चारों स्टेडियम के निर्माण का जिम्मा ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को सौंपा गया। ढिढुई, सरसीखाम व देवसरा के लिए पहली किश्त आठ मार्च 2019 को जारी की गई। सरसीखाम का स्टेडियम 18 अक्टूबर 2019, ढिढुई का स्टेडियम सात नवंबर 2019, देवसरा का स्टेडियम चार फरवरी 2020 को बन जाना था। नजियापुर के स्टेडियम के लिए 10 फरवरी 2020 को पहली किश्त जारी की गई थी, यह स्टेडियम भी 26 सितंबर 2020 में तैयार हो जाना था। अभी तक एक भी स्टेडियम का काम पूरा नहीं हो सका है। ढिढुई व नजियापुर के स्टेडियम की आखिरी किश्त जिला युवा कल्याण विभाग से जारी कर दी गई है, इसके बावजूद निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है। बोले, जिला युवा कल्याण अधिकारी : जिला युवा कल्याण अधिकारी एके सिंह ने बताया कि ढिढुई व नजियापुर के स्टेडियम की आखिरी किश्त भी जारी कर दी गई है, लेकिन अभी तक ग्रामीण अभियंत्रण विभाग से उपभोग प्रमाण पत्र नहीं मिल सका है। आखिरी तिथि निर्धारित 15 मई : काम में हो रही देरी को लेकर जिला युवा कल्याण अधिकारी की ओर से लगातार ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के एक्सईएन को पत्र लिखा जा रहा है, लेकिन इसका कोई असर नहीं है।

प्रयागराज में टेंपो से लेकर सिटी बस तक का बढ़ा किराया

प्रयागराज। पेट्रोल-डीजल के बढ़े रेट ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी है। इसका असर आम लोगों पर सीधे तौर पर पड़ रहा है। प्रयागराज में टेंपो से लेकर सिटी बस तक का बढ़ा किराया बढ़ गया है। पेट्रोल और डीजल का रेट बढ़ने से सवारी वाहनों का किराया 35 प्रतिशत तक बढ़ गया है। आइए जानें कि प्रयागराज में सवारी वाहनों के किराए में कितनी वृद्धि हुई है। पिछले दिनों तेजी से बढ़े पेट्रोल व डीजल के दाम में बढ़ोतरी ने लोगों की कमर तोड़ दी है। पेट्रोल-डीजल के बढ़ी कीमत के कारण सवारी वाहनों के भाड़े में 35 प्रतिशत तक का इजाफा हो गया है। इसका असर लोगों की जेबों पर पडे लगा है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 30 अप्रैल 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

विकास कार्य की गति तेज करने पर की चर्चा

टांडा कला (चंदौली)। ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत व विकास अधिकारियों, रोजगार सेवकों व पंचायत सहायकों सहित अन्य ग्रामीणों की उपस्थिति में रविवार को पंचायत राज दिवस का आयोजन ग्राम सभा सेवड़ी के हुदहुदीपुर में हुआ। इसमें ग्राम पंचायतों को मजबूत सशक्त बनाने के साथ-साथ ग्राम पंचायत स्तर पर विकास कार्य की गति तेज करने पर विस्तार से चर्चा परिचर्चा हुई। वहीं सहज जन सेवा केंद्र संचालकों द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में केवाईसी कराने, पूर्व सैनिकों केवाईसी कराने व जीवित प्रमाण पत्र गांव से ही प्रस्तुत कर देने विषयों पर ग्रामीणों को जानकारी दी गई। इस मौके पर ग्राम प्रधान आशुतोष कुमार सिंह की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन करके पंचायत राज दिवस मनाया गया। इसमें खंड विकास अधिकारी सतीश चंद्र त्रिपाठी ने उपस्थित ग्रामीणों को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की बधाई देते

हुए कहा कि पंचायतें भारतीय लोकतंत्र की आधार स्तंभ है जिनकी मजबूती में ही भारत नये भारत की समृद्धि निहित है। आत्मनिर्भर व सशक्त भारत के निर्माण के लिए अपनी ग्राम पंचायतों को और अधिक सशक्त करने का संकल्प लेने की आवश्यकता हम सब को है। वहीं सुरतापुर यूनियन बैंक के प्रबंधक सुधीर सिंह ने कहा कि भारत का दिल उसके गांवों में बसता है। देश की सुख समृद्धि के लिए इन गांवों का विकास आवश्यक ही नहीं वरन अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि देश में तकरीबन 6 लाख से अधिक गांव तो 6000 से अधिक ब्लाक और 750 के आसपास जिले है। ऐसे में पंचायतों को नजरअंदाज करके विकास का दावा किया ही नही जा सकता। उन्होंने इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों से कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लिए आवश्यक के वाई सी वे घर बैठे अपनी ही एंड्रायड मोबाइल (किसी स्मार्ट फोन) से कर सकते है। यदि कोई दिक्कत आ रही है तो घबराए नहीं वे सीएससी पर आकर अपना केवाईसी करा सकते है। बैठक में एडीओ पंचायत इंद्रभूषण दूबे, ग्राम विकास अधिकारी आनंद यादव,तकनीकी सहायक दीनानाथ, विनोद यादव, सोनाली मिश्रा,चंदन दुबे आदि उपस्थित थे ।

नपा के तत्काल प्रशासनिक अधिकारी व जेई पर कार्रवाई की संस्तुति

आजमगढ़। तमसा नदी किनारे एकलव्य घाट पर एकलव्य पार्क निर्माण प्रक्रिया में जिला प्रशासन को शामिल न करने को जिलाधिकारी विशाल

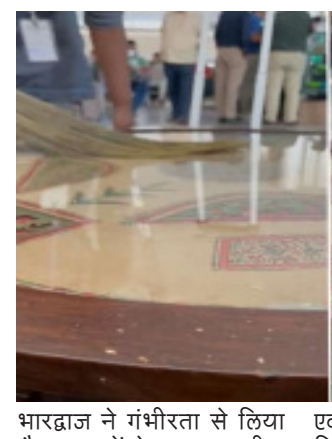

भारद्वाज ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने तत्काली न प्रशासनिक अधिकारी नगर पालिका परिषद एवं अवर अभियंता के विरुद्ध कार्रवाई के लिए शासन को पत्र प्रेषित करने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने रविवार को सिधारी स्थित शारदा चौराहा के पास तमसा नदी तट के एकलव्य घाट पर बनने वाले एकलव्य पार्क का आकस्मिक निरीक्षण किया। 25 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बनने वाले पार्क का डीपीआर देखा। ईओ नगरपालिका से टेंडर कब हुआ, प्रस्ताव शासन को कब प्रेषित किया गया और जमीन पार्क के नाम पर दर्ज है या नहीं आदि की विस्तृत जानकारी ली। अवगत कराया गया कि पार्क बनने के लिए टेक्निकल स्वीकृति नहीं ली गई है। सारी प्रक्रिया नगर पालिका एवं शासन स्तर से हुई है, उसमें जिला प्रशासन को शामिल नहीं किया गया है। डीएम ने पार्क स्थल पर बोर्ड न लगा होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और तत्काल पार्क से संबंधित पार्क का नाम कब स्वीकृत हुआ, लागत राशि एवं कार्यदायी संस्था का नाम अंकित कर बोर्ड लगाए जाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व आजाद भगत सिंह, ईओ नगर पालिका मनोज कुमार सिंह व संबंधित अधिकारी थे।

वाराणसी में सात स्कूली वाहन सीज और 29 का चालान, कई स्कूल प्रबंधन के लोग वाहनों को छुड़ाने पहुंचे

वाराणसी। डग्गामार स्कूली वाहनों के खिलाफ सोमवार को परिवहन विभाग ने सघन अभियान चलाते हुए सात स्कूली बस सीज करने के साथ 29 का चालान किया।

परिवहन विभाग की कार्रवाई से स्कूल संचालकों में अफरा-तफरी मच गई। कई स्कूल प्रबंधन के लोग मौके पर वाहनों को छुड़ाने पहुंच गए लेकिन परिवहन अधिकारियों ने सख्ती दिखाते हुए सीज कर दिया। कई वाहनों पर बच्चों के होने पर जुर्माना करने के साथ बच्चों को नहीं ढोने की नसीहत दी। यात्रीकर अधिकारी मिथिलेश सिंह ने बताया कि अमन इंटरनेशनल जगतपुर की स्कूल बस का फिटनेस, इंश्योरेंस फेल था और चालक के पास डीएल नहीं था। बस को रोहनिया थाने में सीज किया गया है। बीएस फाउंडेशन स्कूल के मैक्सी कैब पर 10 बराती लेकर कहीं जा रहा था। सनबीम एकेडमी स्कूल बस का फिटनेस फेल था जिस पर पांच हजार रुपये जुर्माना किया गया। आरएम सेवा ट्रस्ट स्कूल के मैक्सी कैब का फिटनेस फेल था, वाराणसी पब्लिक स्कूल के पास कोई प्रपत्र नहीं था। कुल 11 वाहनों का चालान किया।

करें ऑनलाइन आवेदन, गंगा किनारे के दो सौ मीटर में कराएं भवनों का मरम्मत

वाराणसी । विकास प्राधिकरण ने गंगा किनारे दो सौ मीटर के दायरे में नव निर्माण पर रोक जारी रखते हुए मरम्मत व पुनर्निर्माण के लिए सुविधा प्रदान की है। इसके लिए आनलाइन आवेदन करना होगा। पुराने जीर्ण-शीर्ण हो रहे भवनों के मरम्मत व पुनर्निर्माण का कार्य वाराणसी विकास प्राधिकरण से अनुज्ञा प्राप्त करके ही हो सकता

है। अब तक प्रचलित व्यवस्था के अंतर्गत वाराणसी विकास प्राधिकरण की ओर से गंगा नदी तट से 200 मीटर के अंदर मरम्मत व पुनर्निर्माण के लिए हेल्पडेस्क से आवेदन फार्म खरीदना होता था। उसमें वांछित सूचनाएं भरकर आवेदन पत्र के साथ समस्त वांछित अभिलेखों को संलग्न कर प्राधिकरण में आवेदन शुल्क के साथ जमा करता था। इस पर प्राधिकरण की संयुक्त कमेटी गंगा नदी से 200 मीटर के अंदर विभिन्न शासनादेशों व न्यायालीय आदेशों के अधीन तथा स्थलीय निरीक्षण आख्या व उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर निणय्न लेती है। वीडीए उपाध्यक्ष ईशा दुहन ने नया आदेश जारी करते हुए सोमवार से पूरी व्यवस्था आनलाइन कर दी है। इसका शुभारंभ भी किया गया। विकास प्राधिकरण ने सोमवार को सिगरा स्थित दो दुकानों को बुलडोजर से क्वस्त कर दिया। भारी फोर्स के बावजूद विरोध, हंगामा व नोकझोंक हुआ। दशाश्वमेध वार्ड में सुबह करीब 11 बजे जैसे की वीडीए की टीम बुलडोजर लेकर पहुंची, दुकानदार ने विरोध शुरू कर दिया। कुछ ही देर में वहां दुकानदारों के पक्ष को लेकर अधिव?ता भी आ गए। कार्रवाई रोकने का विरोध करने लगे। संयुक?त सचिव परमानंद ने कार्रवाई रोकने के बावत कानूनी नोटिस या आदेश की मांग की तो अधिवक्ताओं की ओर से कोई कागजात नहीं दिखाया जा सका। इसके बाद वीडीए की टीम हरकत में आई और दुकानों में मौजूद महिलाओं को बाहर निकालकर बुलडोजर से क्वस्त कर दिया।

परिश्रम और लगन से छात्र हासिल करें अपना मुकाम

चंदौली। स्थानीय पंडित कमलापति त्रिपाठी राजकीय सनतकोत्तर महाविद्यालय में रविवार को समारोह का आयोजन किया गया। इसमें 133 विद्यार्थिय्यों को स्मार्टफोन वितरित किए गए। साथ ही शिक्षा में स्मार्टफोन की महत्ता

के बाबत छात्रों को जानकारी दी गई। स्मार्टफोन पाकर छात्र खुशी से झूम उठे। इस मौके पर मुख्य अतिथि मुगलसराय विधायक रमेश जायसवाल ने कहा कि छात्र-छात्राएं अपनी मेहनत और लगन से अपना मुकाम हासिल करें और जिले का नाम देश दुनिया में गौरवान्वित करें। राजकीय महाविद्यालय अपने नए आयाम को प्राप्त कर रहा है। यहां से निकले हुए छात्र-छात्राएं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हिस्सा लेकर क्षेत्र, जिला और प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। प्राचार्य डा. पंकज झा ने कहा कि स्मार्टफोन का अधिक से अधिक सदुपयोग करें। छात्र तकनीकी रूप से अपने आपको सशक्त बनाएं। करियर का निर्माण कर समाज के लिए उन्मुख कार्य भी करें। सांसद प्रतिनिधि पंकज मिश्र, डा. गायत्री माहेश्वरी, पवन गुप्ता आदि उपस्थित थे। कैथी स्थित मां यमुना देवी महाविद्यालय में रविवार को 177 छात्र- छत्राओं को स्मार्टफोन दिया गया। संस्थापक कन्हैया सिंह, विनय सिंह, अनिल, सचिन, कुश सिंह, पतिराज सिंह, नीरज तिवारी, गोपाल राय, ललित सिंह आदि थे।

नदी जीर्णोद्धार के लिए वाराणसी के वरुणा किनारे बनेंगे रिचार्ज तालाब, जल स्तर सुधार और संरक्षण का लक्ष्य

वाराणसी । प्रदेश में 61 छोटी नदियों की स्थिति बहुत खराब है। इसमें कुछ तो लुप्त होने की कगार पर है जबकि ये नदियां जल संरक्षण के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसी उद्देश्य से इनके पुनरुद्धार और कायाकल्प के लिए वृहद योजना तैयार की गई है। इसी क्रम में वरुणा नदी के किनारे बड़े पैमाने पर तालाब बनाने की योजना है। ये तालाब नदी के पुनरुद्धार के साथ ही आसपास के क्षेत्रों में जल स्तर को नियंत्रित रखने में सहायक होंगे। योजना के तहत जनपद के आराजीलाइन, बड़ागांव, हरहुआ, काशी विद्यापीठ व सेवापुरी विकास खंड में वरुणा नदी के तट पर ग्राम पंचायतों में रिचार्ज तालाब निर्माण कराया जाएगा। जहां पर तालाब

के लिए पर्याप्त स्थान नहीं मिलेगा वहां मेडबंदी या बंधी आदि का कार्य कराया जाएगा। इसमें महत्वपूर्ण रिचार्ज तालाब का निर्माण है। इससे नदी के किनारे तालाब से जीर्णोद्धार व पुनरोद्धार से जल संरक्षण में सहयोग मिलेगा। आसपास के क्षेत्र में जल स्तर में बढ़ोतरी होगी। जहां नदियां सूख गई है या फिर सकरी हो गई है वहां भी नदी के पुनरोद्धार में सहायक होगा। तालाब कहीं भी बनेगा तो वह भूमि को रिचार्ज करता है। यह नदी के किनारे बनता है तो उसके पुनरोद्धार में भी लाभकारी होता है। ध्यान रखना है कि अपशिष्ट न जाए। करुणाकर अदीब, उपायुक्त मनरेगा। -20.6 किलोमीटर लंबाई 05-कुल विकास खंड -41-कुल ग्राम पंचायतें।जल संरक्षण के लिए बने ड्रेनेज सिस्टम में 10 हजार से अधिक शौचालय जुड़ गए है। यह जल निगम के अफसरों की अनदेखी की वजह से हुआ है। शौचालयों से निकली गंदगी वरुणा व गंगा को प्रदूषित कर रही थी। कमिश्नर दीपक अग्रवाल के आदेश पर ड्रेनेज सिस्टम का मुहाना बंद हुआ तो नदियों में गिर रही गंदगी तो रुक गई, लेकिन जल संरक्षण के उद्देश्य पर पानी फिर गया।

माइनरों में उगी झाड़ियां किसानों की बढ़ी दुश्वारियां

सुखपुरा (बलिया) । 30 अप्रैल तक नहरों की साफ सफाई करने का विभाग को निर्देश है। जिम्मेदार गंभीर नहीं है। 23 अप्रैल बीत गया मात्र सात दिनों में क्षेत्र की नहरों की साफ-सफाई कैसे हो पाएगी, यह यक्ष प्रशन किसानों को बेचैन कर रहा है। सुखपुरा-माइनर हो या खरहाटार माइनर, दोनों की हालत एक जैसी है। दोनों माइनरों की पेटी में बड़े-बड़े झाड़-झंखाड़ उग

आए हैं लेकिन विभाग द्वारा साफ-सफाई करने का कोई प्रयास नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में किसानों का कहना है कि साफ-सफाई के बावजूद दोनों माइनरों में टेल तक पानी नहीं पहुंच पाता और जब साफ-सफाई नहीं हो रहा है तो टेल तक की बात कौन करे बीच के गांवों में भी पानी पहुंचना कठिन हो जाएगा। किसानों का कहना है कि गेहूं की कटाई व मड़ाई से फुर्सत मिलने के साथ ही धान के बेहन डालने की तैयारियां जोरों पर चलेगी। वैसे भी छिट-पुट किसानों ने बेहन डालने की तैयारियां शुरू कर दी है। संभवतः मई के प्रथम सप्ताह में लोग बेहन डालना शुरू कर देंगे। जब नहरों की साफ सफाई नहीं हो पाएगी तो बेहन डालना किसानों के लिए काफी कठिन हो जाएगा। डीजल की बढ़ती कीमतों के कारण किसान पंपिग सेट चलाने से परहेज करने लगे हैं। ऐसे में बेहन डालने के लिए पानी का एकमात्र विकल्प नहर ही है। नहर की साफ सफाई अभी तक नहीं हुई या भविष्य में कब तक होगी, इसकी जानकारी भी कोई देने को तैयार नहीं है। यही स्थिति रही तो क्षेत्र के किसानों के समक्ष विकट समस्या उत्पन्न हो जाएगी। सरकार द्वारा किसानों को सुविधा देने का अभियान भी चलाया जा रहा है, बावजूद इसके किसान अफसरशाही के भंवर में फंसने को मजबूर हैं। प्रमुख धान उत्पादक किसानों बरमेश्वर नाथ पांडेय, गणेश सिंह, हरे राम सिंह, अशोक सिंह आदि ने तत्काल नहरों की साफ-सफाई कराने की तत्काल मांग की है ताकि समय से धान की बेहन डाला जा सके। नहर में पानी नहीं छोड़े जाने से किसान परेशान-- जासं, पूर (बलिया) : तुर्तीपार कैनाल से निकलने वाली पूर राजवाहा में पानी नहीं छोड़े जाने से किसानों में जबरदस्त आक्रोश है। किसान चिंतित है कि इस समय पशुओं के लिए चरी, गनन, मक्का और सब्जियों की खेती होती है लेकिन पानी नहीं छोड़े जाने से खेती कार्य प्रभावित हो रहा है। पूर रजवाहा से करीब दो दर्जन नहरें निकलती है। गढ़मलपुर से मनियर तक पूरा क्षेत्र सिचाई के लिए नहरों के पानी पर आश्रित है। क्षेत्रीय किसानों ने पूर राजवाहा मेंपानी छोड़े जाने की मांग की है ताकि किसानों को इस समस्या से निजात मिल सके।

558 गर्भवती की प्रसव पूर्व हुई जांच

वाराणसी । प्रथम संदर्भन इकाई (एफआरयू) सीएचसी चोलापुर पहुंची गड़सरा निवासी राजश्री (24) की महिला चिकित्सक ने प्रसव पूर्व सभी जांच की। हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य से कम पाए जाने पर चिकित्सक ने हरी साग-सब्जियां, मौसमी फल, दूध, गुड़ आदि के साथ ही नियमित आयरन की गोली खाने की सलाह दी। वहीं, रूबी (22) ने बताया कि पहली बार मां बनने जा रही हैं। उनका भी हीमोग्लोबिन का स्तर कम होने से डाक्टर ने उन्हें पौष्टिक आहार की सलाह दी। सोमवार को जनपद में छह स्वास्थ्य इकाइयों (एफआरयू) पर 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व क्लीनिक' दिवस के आयोजन में इसी तरह के दृश्य दिखे।

लगन में महंगाई से दूर टेंट और मैरेज लान

आजमगढ़ । दो साल बाद कोरोना की काली छाया हटी, तो कारोबार के भी दिन लौट आए हैं।लगन में बुकिग कराने वालों की राह देखने वाले टेंट व मैरेज लान संचालक अबकी एडवांस बुकिग से पहले तारीख पूछ रहे हैं। अपना रजिस्टर देखने के बाद हां-ना में जवाब दे रहे हैं।ग्राहकों के लिए सुखद यह कि संचालकों ने किराया नहीं बढ़ाया

है। टेंट कारोबारी सतनाम सिंह ने बताया कि दर्जन भर से ज्यादा की बुकिग हो चुकी है। हर दिन इसकी संख्या बढ़ती ही जा रही है।पहले की तरह 40 से 50 हजार में सभी सामान उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसमें लाइट, स्टेज, भोजन बनाने के लिए बर्तन, कारीगर, सौ कुर्सी, 20 मेज सब शामिल है।पहले भी यही रेट था और अबकी भी वही है। मैरेज लान संचालक अजय कुमार प्रजापति ने बताया कि चौबीस घंटे की बुकिग की जाती है।भोजन की व्यवस्था छोड़ स्टेज, टेंट, दो बड़ा हाल, तीन कमरे आदि मिलाकर 50 हजार रुपये में उपलब्ध करा रहे है।कई साल से रेट नहीं बढ़ाया गया है। बताया कि जब सबकुछ पहले का है तो रेट बढ़ाना ग्राहकों के साथ अन्याय होगा।यह अलग बात है कि बाकी लोग क्या कर रहे है, उसके बारे में नहीं बता सकते। कहा कि दो साल से कोरोना संकट ने लगन में मगन रहने वाले टेंट व मैरेज हाल कारोबारियों को निराश कर दिया था, लेकिन कोरोना का ग्रहण खत्म होने के बाद कारोबार की गाड़ी दौड़ने लगी है।हालांकि, देश में कोरोना की चौथी लहर ने दस्तक दे दी है, लेकिन पूर्वांचल में अभी इसका असर न होने से कोई दिक्कत नहीं है।इससे पहले के दो साल में तो हालत यह हो गई थी कि मैरेज हाल और टेंट हाउस की बुकिग करा चुके लोगों ने उसे कैंसिल कराना शुरू कर दिया था। शहर में सौ लोग टेंट का कारोबार तो लगभग 40 लोग मैरेज लान की बुकिग करते हैं।

वाराणसी कैंट स्टेशन द्वितीय प्रवेश द्वार से जुड़ेगा खरबूजा शहीद मार्ग, वरुणापार से आने वाले रेल यात्रियों को होगी सुविधा

वाराणसी । वरुणापार क्षेत्र के यात्रियों को रेलवे स्टेशन आने - जाने के लिए एक और रास्ता मिलेगा। नदेसर - खरबूजा शहीद मार्ग को कैंट स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार से जोड़ने की योजना है। बाधक बने अतिक्रमण को अतिशीघ्र दूर कर लिया जाएगा। यहां परिसर के विस्तारीकरण की प्रक्रिया प्रगति पर है। वर्ष 2023 तक रि- माडलिंग की परियोजनाएं आकार लेने लगेंगी। यह बाते उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक आशुतोष गंगल ने कहीं। वह सोमवार को कैंट स्टेशन पर निरीक्षण दौरे के दौरान पत्रकारों से मुखातिब हुए थे। निदेशक कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने बताया कि द्वितीय प्रवेश द्वार का विस्तार प्रगति पर है, रक्षा संपदा से मिली भूमि में आठ हजार वर्ग मीटर स्थान को अतिक्रमणमुक्त कराया जा चुका है। विस्तारीकरण के क्रम में नदेसर - खरबूजा शहीद मार्ग को द्वितीय प्रवेश द्वार से जोड़ने की योजना है। उन्होंने बताया कि प्लेटफार्म नंबर दो - तीन के चौड़ीकरण पर जल्द

ही निणय्न ले लिया जाएगा। अगले महीने मई तक उत्तर रेलवे की गाडि़यों में यूटीएस (अनारक्षित टिकट सेवा) पूरी तरह से बहाल कर दी जाएगी। महाप्रबंधक ने बताया कि गत मार्च से ही रेलवे बोर्ड इस व्यवस्था को लागू करने का आदेश जारी किया है, लेकिन 2एस श्रेणी में बुक हो चुके एडवांस टिकट के चलते इसे उत्तर रेलवे के स्टेशनों पर लागू करने में देर हुई है। देश में बढ़ते कोविड- 19 के मामलो पर महाप्रबंधक आशुतोष गंगल ने बताया कि इसका रेल सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यादि स्वास्थ्य मंत्रालय और राज्य सरकारों की कोई एडवाइजरी आती है तो विचार किया जाएगा। उन्होंने यात्रियों से सभी एहतियात बरतने की अपील की। कैंट स्टेशन के सामने स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के चलते यात्रियों को आने जाने में होने वाली समस्या पर महाप्रबंधक ने कहा कि इस विषय पर जिला प्रशासन से चर्चा की जाएगी। ताकि रेलवे स्टेशन आने वाले यात्रियों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। बताया कि उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल को भी वंदे भारत एक्सप्रेस मिलने की उम्मीद है। बुक पार्सल पैकेटों में सिलसिलेवार उजागर जीएसटी चोरी के मामलो को महाप्रबंधक आशुतोष गंगल ने गंभीरता से लिया। उन्होंने सीनियर डीसीएम (फ्रेट) राहुल को निर्देशित किया कि माल बुक करते समय ईवे बिल समेत अन्य दस्तावेजों को अवश्य चेक किया जाए। कैंट स्टेशन पर प्रस्तावित विकास कार्यों की प्रगति के बाबत महाप्रबंधक ने उच्चाधिकारियों के साथ निदेशक कार्यालय में बैठक की। पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के जरिए कार्यों की समीक्षा की। इसके पूर्व महाप्रबंधक ने प्लेटफार्म नंबर छह - सात और द्वितीय प्रवेश द्वार का निरीक्षण किया। यहां बंद पड़े टिकट कांउटर हाल व तीसरे फूट ओवरब्रिज के निर्माण कार्य का मुआयना किया।

वाराणसी नगर निगम : सार्वजनिक स्थान पर फेंका मलबा तो होगी कार्रवाई, जोनवार चलेगा अभियान

वाराणसी । मलबा निस्तारण को लेकर नगर निगम प्रशासन गंभीर हो गया है। अब सार्वजनिक स्थलों पर मलबा फेंकने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए अभियान चलाने की तैयारी की गई है। इससे पहले आम नागरिकों को किसी अप्रिय कार्रवाई का सामना न करना पड़े, इसके लिए महापौर मृदुला जायसवाल ने अपील की है कि जोनवार बने मलबा संग्रह केंद्रों में ही निस्तारित करें। नगर निगम की ओर से बनाए गए मलबा संग्रह केंद्र की जोनवार बात करें तो वरुणापार में सेंट्रल जेल मेन गेट के पास, अतुलानंद स्कूल के सामने पार्क के पास, सर्किट हाउस के सामने कूड़ाघर कलेक्शन प्वाइंट के पास, पुलिस लाइन मेन गेट के सामने, मेंटल हास्पिटल गारबेज कलेक्शन प्वाइंट के पास, सारनाथ मोटेल के सामने, आशापुर पुराना

आरटीओ आफिस के पास बना है। ऐसे ही आदमपुर जोन में मछोदरी मेनरोड प्राइमरी स्कूल बाउंड्री के पास, वधू भारत पेट्रोलियम पंप जीटी रोड के सामने, कज्जाकपुरा कूड़ाघर कलेक्शन प्वाइंट के पास, सारनाथ सांस्कृतिक संकुल रैन बसैरा के सामने हुकुंलगंज, जिला जेल के पीछे वाली बाउंड्री, नाटी इमली के पास बना है। दशाश्वमेध जोन में मलदहिया चौराहे के पास किसान फूल मंडी, रामापुरा जय नारायण इंटर कालेज ट्रांसफार्मर के पास, मदनपुरा रोड महमूद मार्केट ट्रांसफार्मर के पास, दशाश्वमेध थाना के विपरीत, चेतगंज वार्ड पिशाच मोचन पंप हाउस के पास, फातमान रोड पर कब्रिस्तान के पास, सिगरा-लहरतारा फ्लाइओवर के पहले मंडुआडीह रोड रेलवे लाइन के पास बना है। कोतवाली जोन में कबीरचौरा स्थित मंडलीय अस्पताल के पास मालवीय मार्केट, अग्रसेन कन्या पीजी कालेज के विपरीत काशीपुरा चौराहे पर ट्रांसफार्मर के पास बना है। भेलूपुर जोन में रवींद्रपुरी पुलिया, गुलरीया मोड़ जलकल बाउंड्री खोजवां, सोनारपुरा बाबा फरीद, रवींद्रपुरी शुक्ला चौराहे के पास, नरिया थाना पुलिस बूथ के पास तथा बजरडीहा पुलिस चौकी के पास मलबा संग्रहण केंद्र बनाया गया है। वाराणसी शहर स्मार्ट सिटी बनाने की दिशा में नगर निगम की ओर से लगातार साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा। लोगों को जागरूक करने के साथ उनकों गंदगी से होने वाले नुकसान के पक्षों से भी अवगत कराया जा रहा है।

डा. आंबेडकर के सिद्धांतों पर ही समतामूलक समाज का सृजन संभव

रसड़ा (बलिया) । बाबासाहेब दलितों, पिछड़ों व महिलाओं के मसीहा थे। उन्होंने संविधान का निर्माण कर हमें विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य किया। आज जरूरत है हम उनके दिखाए मार्ग पर चलकर समतामूलक समाज का सृजन करने की। रविवार को मथुरा पीजी कालेज रसड़ा परिसर में आयोजित डा.भीमराव आंबेडकर जयंती एवं राष्ट्रीयकरण से निजीकरण की ओर बढ़ता भारत किसके हित में विषयक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व विद्यालय निरीक्षक शिवचंद राम ने उक्त बातें कहीं। इसके पूर्व उन्होंने कार्यक्रम अध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सहित सदानंद गौतम, प्रवीण सत्यार्थी, अरविद मूर्ति, बालंचद के

साथ डा.आंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राघवेंद्र कुमार ने कहा सरकार सरकारी संपत्तियों का निजीकरण कर चंद पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाकर आमजन व गरीबों को पंगु बनाने का कार्य कर रही, जो राष्ट्र हित में नहीं है। समारोह को बालचंद राम, सदानंद गौतम, लालचंद, सुजीत बजरंगी, धनंजय भारती, राहुल, सुमंत बागी, जावेद अंसारी आदि ने संबोधित किया।

थाना पन्नूगंज पुलिस द्वारा गैंगेस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। जनपद में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पन्नूगंज पुलिस थाना रायपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 101/2021 धारा 3(1) उ0प्र0 गिरोहबन्द एवं क्रियाकलाप निवारण अधिनियम से सम्बंधित अभियुक्त मोती जायसवाल पुत्र स्व0 मोहन जायसवाल निवासी ग्राम चौधरना, थाना अधौरा, भभुआ, बिहार, उम्र लगभग 35 वर्ष जो काफी दिनों से फरार चल रहा था को गिरफ्तार कर लिया गया । **नाम-पता अभियुक्त-** 1- मोती जायसवाल पुत्र स्व0 मोहन जायसवाल निवासी ग्राम चौधरना, थाना अधौरा, भभुआ, बिहार । **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमः-** 1- नि0 राजेश कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र । 2- का0 अनुज कुमार मौर्य, थाना पनन्ूगंज, जनपद सोनभद्र । 3- का0 सन्तोष कुमार सिंह, थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र ।

टैंकर से 24000 लीटर डीजल बेचने वाले ड्राईवर व खलासी को थाना चोपन पुलिस द्वारा 14 लाख रुपये के साथ किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। अवगत कराना है कि दिनांक 20.04.2022 को वादी मुकदमा इमरान खान पुत्र निसार अहमद निवासी जीटी रोड अलीनगर, थाना अलीनगर, जनपद चन्दौली द्वारा थाना चोपन पर सूचना दी गयी कि वादी वाहन संख्या ळझ 67 -1441 का पंजीकृत स्वामी है । दिनांक 16.04.2022 को चालक भगवानदास विनायक सर्विस स्टेशन हिन्दुआरी से उक्त टैंकर में 29 हजार लीटर डीजल वीपीआर माइनिंग, खडिया, शक्तिनगर के लिये जा रहा था कि चालक एवं कुछ अन्य व्यक्तियों अफसार अहमद उर्फ शेरु पुत्र मैनुद्दीन निवासी अलीनगर, जनपद चन्दौली तथा अजय चौरसिया आदि से मिलकर टैंकर में 24000 लीटर डीजल अमानत में खयानत कर बालाजी ट्रेडर्स सुरेश केशरी के यहां बेच दिया गया । दिनांक 17.04.2022 को जब प्रार्थी को पता चला कि उक्त डीजल वीपीआर माइनिंग नहीं पहुंचा है तो उक्त के सम्बंध में जानकारी करने पर पता चला कि उक्त टैंकर आईओसी पेट्रोल पम्प बारी, डाला पर खड़ा है । वहां काम करने वाले लोगों ने बताया कि चालक पेट्रोल पम्प पर गाड़ी खड़ी कर कहीं चला गया है । उक्त सूचना के सम्बंध में थाना चोपन पर मु0अ0सं0 98/2022 धारा 407, 379, 120 बी भादवि का अभियोग पंजीकृत कर लिया गया । उक्त घटना से सम्बंधित पंजीकृत अभियोग के सफल अनावरण एवं घटना से सम्बंधित अभियुक्तगण की गिरफ्तारी के सम्बंध में पुलिस उप महानिरीक्षव पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अमरेन्द्र प्रसाद सिंह एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री विनोद कुमार द्वारा थाना स्थानीय पुलिस को विशिष्ट निर्देश दिये गये । उच्चाधिकारीगण के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर श्री राजकुमार त्रिपाठी के निकट पर्यवेक्षण में थाना चोपन पुलिस द्वारा उक्त घटना का सफल अनावरण कर घटना से सम्बंधित 02 नफर अभियुक्तगण 01. भगवान दास पुत्र सुमेर निवासी भोकती, कमालपुर, थाना अदलहाट, जनपद मिर्जापुर 2. प्रवीण कुमार पुत्र गोपीनाथ निवासी लठिया सहिजनी, थाना जमालपुर, जनपद मिर्जापुर को बग्घानाला पुल के पास से गिरफ्तार कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई प्रचलित है । घटना से सम्बंधित 03 अन्य अभियुक्तगण 01. अफसार अहमद पुत्र स्व0 मैनुद्दीन निवासी अलीनगर, थाना अलीनगर, जनपद चन्दौली 02. अजय चौरसिया पुत्र अज्ञात निवासी चोपन, जनपद सोनभद्र 03. सुरेश केशरी पुत्र अज्ञात निवासी ओबरा, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र वांछित चल रहे हैं जिनकी तलाश की जा रही है । **बरामदगी** - 01.- 14 लाख रुपये **गिरफ्तार अभियुक्तगण** - 01. भगवान दास पुत्र सुमेर निवासी भोकती, कमालपुर, थाना अदलहाट, जनपद मिर्जापुर । 02. प्रवीण कुमार पुत्र गोपीनाथ निवासी लठिया सहिजनी, थाना जमालपुर जनपद मिर्जापुर । **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण** - 01. श्री किरण कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना चोपन, जनपद सोनभद्र । 02. उ0नि0 मनोज कुमार ठाकुर, चौकी प्रभारी डाला, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र । 03. हे0का0 महेन्द्र यादव, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र । 04. का0 पुनीत सिंह, चौकी डाला, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र । 05. का0 रविकान्त, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र ।

अधिशासी अभियंता व कनिष्ठ सहायक समेत चार कर्मचारी मिले अनुपस्थित

मीरजापुर । शासन के निर्देश पर कार्यालयों में कार्यावधि तक अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के ष्टिगत अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व शिवप्रताप शुक्ल ने शुक्रवार अपराह्न साढ़े चार बजे सिचाई विभाग पहुंचकर एक्सईएन सिरसी प्रखंड सिचाई कैनाल डिवीजन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सिरसी प्रखंड में कनिष्ठ सहायक कृष्णा नंद यादव अनुपस्थित पाए गए। वरिष्ठ सहायक ने बताया कि सरकारी कार्य से किसी अन्य डिवीजन में गए हैं। जबकि भ्रमण पंजिका पर कुछ अंकित नहीं था। सिचाई एमसीडी डिवीजन के उपस्थिति रजिस्टर के निरीक्षण के समय अधिशासी अभियंता वैभव सिंह अनुपस्थित रहे। इनके संबंध में भी कार्यालय के वरिष्ठ सहायक ने बताया कि शासकीय कार्य से सोनभद्र साइड पर गए हैं। जबकि भ्रमण पंजिका कुछ अंकित नहीं था। कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मो. तुफैल, रामविलास भी अनुपस्थित पाए गए। अपर जिलाधिकारी ने अनुपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोकने की संस्तुति की।

फुटपाथ तो छोड़िए जनाब यहां तो सड़क भी नहीं बच पाई अतिक्रमण से

मीरजापुर । लगता है अतिक्रमण, जाम, जर्जर सड़कें शहर की पहचान बन चुकी है। आश्चर्य यह कि इस रास्ते से जिम्मेदार भी गुजरते हैं लेकिन कभी इनका ध्यान नहीं गया। ऐसे में लोग प्रशासन को कोसते नजर आते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो जनता की परेशानियों से अफसरों को कोई सरोकार ही नहीं दिख रहा। यातायात व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। आम आदमी तो छोड़िए, अभी गत दिनों जिलाधिकारी जाम में फंस गए थे। इसका एक मुख्य कारण अतिक्रमण है। सड़क किनारे दिखी। डंकीनगंज पुलिस बूथ भी वाहनों के अतिक्रमण से घिरा दिखा। पुलिस बूथ के सामने स्टेट बैंक के बाहर एक लाइन से वाहन की कतारें देखने को मिली। स्थानीय लोगों के मुताबिक कई बार इसकी शिकायत की गई लेकिन जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया। अतिक्रमण सारा शहर अतिक्रमण से घिरा हुआ है। सड़क किनारे ठेले, खोमचे वालों ने कब्जा जमा लिया है। न तो नगर पालिका और न ही पुलिस-प्रशासन इस ओर ध्यान दे रहा है। चौक-चौराहे, फुटपाथ पर अतिक्रमण तो दूर डंकीनगंज पुलिस बूथ के सामने ही वाहन स्टैंड जैसा नजारा दिखा तो और जगहों की क्या स्थिति होगी। शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। शहर के मुख्य मार्ग जाम की गिरफ्त में हैं। जाम में फंसने से शहर की जनता को परेशानी झेलनी पड़ रही है। यहां तक कि अस्पताल से आने और जाने वाली एंबुलेंस भी जाम में फंस जाती हैं, जिससे मरीजों और तीमारदारों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। इसके अलावा ई-रिक्शों की भी भरमार है। नगर की सड़कें जर्जर और दयनीय अवस्था में हैं। अधिकांश सड़कें सीवर लाइन के कारण उखड़ी पड़ी हैं और नगर पालिका के हाथ बंधे हुए हैं। न तो नगर पालिका सड़कों की मरम्मत करा रही है और न ही कार्यदायी संस्था ही काम पूरा कर रही है। स्टेशन रोड, सबरी, हथिया फाटक के अलावा विध्याचल जाने वाला मार्ग भी क्षतिग्रस्त है।

फुटपाथ बनाए गए हैं ताकि लोगों को पैदल चलने में सहूलियत मिले लेकिन हालत ऐसी हो गई है कि फुटपाथ तो छोड़िए, सड़क ही 20 फीट से सिकुड़ कर छह फीट तक रह गई है। कारण कि सड़क के दोनों तरफ गाड़ियां बेतरतीब खड़ी की जा रही हैं। फुटपाथ हमारा है.. अभियान के तीसरे दिन शनिवार को दैनिक जागरण ने पेहटी चौराहा व डंकीनगंज का रुख किया। शिकायत भी हुई अनसुनीपेहटी चौराहा से लेकर डंकीनगंज तक मकान व दुकान के आगे सड़क किनारे फुटपाथ ही नहीं

विध्याचल मंडल को जल्द मिलेगी राज्य विश्वविद्यालय की सौगात

मीरजापुर । विध्याचल मंडल को जल्द ही राज्य विश्वविद्यालय की सौगात मिलेगी। इसके लिए सदर तहसील अंतर्गत बभनदेवा गांव में भूमि चिन्हित कर लिया गया है। 25 अप्रैल को शासन को रिपोर्ट भेजी जाएगी। सालों से विध्य विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग चली आ रही थी। राज्य

विश्वविद्यालय की स्थापना होने से विध्याचल मंडल के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। गौरतलब हो कि विध्याचल मंडल में मेडिकल कालेज का लोकार्पण पिछले साल ही हुआ था, जहां मेडिकल की पढ़ाई के साथ इलाज भी शुरू हो चुका है। मंडलायुक्त योगेश्वरराम मिश्र, जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने शुक्रवार को एसडीएम सदर चंद्रभान सिंह व राजस्व कामिर्यों के साथ तहसील सदर अंतर्गत बभनदेवा गांव पहुंचकर भूमि का परीक्षण किया। एसडीएम ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए बभनदेवा गांव में लगभग 50 एकड़ से अधिक भूमि उपलब्ध है। मंडलायुक्त ने एसडीएम को भूमि की पैमाइश व अन्य कार्यवाही तत्काल पूर्ण करने का निर्देश दिया। उत्तर प्रदेश शासन ने विध्याचल मंडल में राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए ग्रामीण क्षेत्र में न्यूनतम 50 एकड़ व नगरीय क्षेत्र में न्यूनतम 20 एकड़ उपयुक्त भूमि का प्रबंध कराकर 25 अप्रैल तक अवगत कराने निर्देश दिया था। शासन के निर्देश पर बभनदेवा गांव में भूमि का परीक्षण किया गया। 25 अप्रैल तक शासन को भेजनी है रिपोटयोगी सरकार 2.0 के गठन के बाद शासन ने विध्याचल मंडल में राज्य विश्वविद्यालय खोलने का फैसला लिया है। इसके तहत सयुंक्त सचिव उत्तर प्रदेश सरकार सर्वेश कुमार सिंह ने 14 अप्रैल को विध्याचल मंडल के कमिशनर योगेश्वरराम मिश्रा को भूमि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। इसकी रिपोर्ट कमिशनर को 25 अप्रैल तक शासन को भेजनी है। हलिया ग्राम पंचायत में विध्य विश्वविद्यालय की हो स्थापना, 110 बीघा बंजर भूमि उपलब्ध हलिया हलिया ब्लाक के प्रधान संघ अध्यक्ष शिवबाबू सेठ ने शुक्रवार को मंडलायुक्त व जिलाधिकारी को पत्रक देकर हलिया में विध्य विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग की। बताया कि ग्राम पंचायत हलिया में विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए 110 बीघा बंजर भूमि उपलब्ध है। बंजर भूमि मौजूदा समय में खाली व निष्प्रयोज्य पड़ी है। हलिया ग्राम पंचायत में विध्य विश्वविद्यालय की स्थापना हो जाने से बच्चों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। राजकीय पीजी कालेज लालगंज को मिले राज्य विश्वविद्यालय का दर्ज लालगंज : उपरौध अधिवक्ता समिति के अध्यक्ष अरुण कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने राजकीय पीजी कालेज लालगंज को राज्य विश्वविद्यालय का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौपा। अधिवक्ता समिति के पूर्व अध्यक्ष केदारनाथ शुक्ला ने बताया कि लालगंज राजकीय पीजी कालेज को राज्य विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने से जिले का विकास होगा और राजमार्ग सात पर स्थित होने के कारण आवागमन की सुविधा मिलेगी। वरिष्ठ अधिवक्ता कैलाशपति ने कहा कि क्षेत्र में समुचित जमीन उपलब्ध है। वरिष्ठ अधिवक्ता चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि राजकीय पीजी कालेज लालगंज को राज्य विश्वविद्यालय बनाए जाने की मांग स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. रामखेलावन मौर्य लंबे समय से कर रहे थे।

डीजल टैंकर से तेल चोरी के मामले में दो गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र) । टैंकर से 24000 लीटर डीजल बेचने वाले ड्राईवर व खलासी को थाना चोपन पुलिस द्वारा 14 लाख रुपये के साथ किया गया गिरफ्तार अवगत कराना है कि दिनांक 20.04.2022 को वादी मुकदमा इमरान खान पुत्र निसार अहमद निवासी जीटी रोड अलीनगर, थाना अलीनगर, जनपद चन्दौली द्वारा थाना चोपन पर सूचना दी गयी कि वादी वाहन संख्या ळझ 67 -1441 का पंजीकृत स्वामी है । दिनांक 16.04.2022 को चालक भगवानदास विनायक सर्विस स्टेशन हिन्दुआरी से उक्त टैंकर में 29 हजार लीटर डीजल वीपीआर माइनिंग, खडिया, शक्तिनगर के लिये जा रहा था कि चालक एवं कुछ अन्य व्यक्तियों अफसार अहमद उर्फ शेरु पुत्र मैनुद्दीन निवासी अलीनगर, जनपद चन्दौली तथा अजय चौरसिया आदि से मिलकर टैंकर में 24000 लीटर डीजल अमानत में खयानत कर बालाजी ट्रेडर्स सुरेश केशरी के यहां बेच दिया गया । दिनांक 17.04.2022 को जब प्रार्थी को पता चला कि उक्त डीजल वीपीआर माइनिंग नहीं पहुंचा है तो उक्त के सम्बंध में जानकारी करने पर पता चला कि उक्त टैंकर आईओसी पेट्रोल पम्प बारी, डाला पर खड़ा है । वहां काम करने वाले लोगों ने बताया कि चालक पेट्रोल पम्प पर गाड़ी खड़ी कर कहीं चला गया है । उक्त सूचना के सम्बंध में थाना चोपन पर मु0अ0सं0 98/2022 धारा 407, 379, 120 बी भादवि का अभियोग पंजीकृत कर लिया गय उक्त घटना से सम्बंधित पंजीकृत अभियोग के सफल अनावरण एवं घटना से सम्बंधित अभियुक्तगण की गिरफ्तारी के सम्बंध में पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अमरेन्द्र प्रसाद सिंह एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री विनोद कुमार द्वारा थाना स्थानीय पुलिस को विशिष्ट निर्देश दिये गये । उच्चाधिकारीगण के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर श्री राजकुमार त्रिपाठी के निकट पर्यवेक्षण में थाना चोपन पुलिस द्वारा उक्त घटना का सफल अनावरण कर घटना से सम्बंधित 02 नफर अभियुक्तगण 01. भगवान दास पुत्र सुमेर निवासी भोकती, कमालपुर, थाना अदलहाट, जनपद मिर्जापुर 2. प्रवीण कुमार पुत्र गोपीनाथ निवासी लठिया सहिजनी, थाना जमालपुर, जनपद मिर्जापुर को बग्घानाला पुल के पास से गिरफ्तार कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई प्रचलित है । घटना से सम्बंधित 03 अन्य अभियुक्तगण 01. अफसार अहमद पुत्र स्व0 मैनुद्दीन निवासी अलीनगर, थाना अलीनगर, जनपद चन्दौली 02. अजय चौरसिया पुत्र अज्ञात निवासी चोपन, जनपद सोनभद्र 03. सुरेश केशरी पुत्र अज्ञात निवासी ओबरा, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र वांछित चल रहे हैं जिनकी तलाश की जा रही है । **बरामदगी** 01. 14 लाख रुपये । **गिरफ्तार अभियुक्तगण** 01. भगवान दास पुत्र सुमेर निवासी भोकती, कमालपुर, थाना अदलहाट, जनपद मिर्जापुर ।02. प्रवीण कुमार पुत्र गोपीनाथ निवासी लठिया सहिजनी, थाना जमालपुर जनपद मिर्जापुर ।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण 01. श्री किरण कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना चोपन, जनपद सोनभद्र ।02. उ0नि0 मनोज कुमार ठाकुर, चौकी प्रभारी डाला, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र ।03. हे0का0 महेन्द्र यादव, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र ।04. का0 पुनीत सिंह, चौकी डाला, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र ।05. का0 रविकान्त, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र ।

कंटेनर से तीस क्विटल डोडा पोस्त फूल बरामद, एक आरोपित को भेजा जेल

अहरौरा (मीरजापुर)। क्षेत्र के हनुमान घाटी के पास से पुलिस ने गुरुवार की रात एक कंटेनर से तीस क्विटल डोडा पोस्त फूल बरामद किया है। इसकी कीमत बाजार मूल्य में लगभग डेढ करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह झारखंड के रांची से डोडा पोस्त लादकर राजस्थान ले जा रहा था। कंटेनर की तलाशी कराई गई तो बोरे में भरकर डोडा पोस्त फूल रखा गया था। डोडा पोस्ट फूल का वजन कराया गया तो तीस क्विटल पाया गया। एएसपी आपरेशन ने बताया कि पकड़ा गया आरोपित बुद्धाराम पुत्र देवाराम बिशनेई जलौली,मंडोर थाना डांगियावास जिला जोधपुर राजस्थान का निवासी है। इसमें लगे हुए अन्य गिरोह के बारे में पता लगाया जा रहा है जल्द ही उन्हे भी पकड़ लिया जाएगा। एसपी ने टीम को किया पुरस्कृत झारखंड से डोडा पोस्त फूल लादकर राजस्थान ले जा रहे कंटेनर के साथ एक आरोपित को पकड़ने वाली टीम को एसपी अजय कुमार सिंह ने बीस हजार रुपये का इनाम दिए जाने की घोषणा की है। डोडा पोस्त फूल से निकाला जाता है अफीम डोडा पोस्त फूल के बारे में बहुत से लोगों को जानकारी नहीं है। क्षेत्रीय लोग शायद पहली बार इसका नाम सुन रहे हैं। पोस्त की खेती मुख्य रूप से अफीम के लिए की जाती है। इसका पौधा ज्यादा ऊंचा नहीं होता है। इसके फूल सफेद, लाल और नारंगी रंग के पाए जाते हैं। इसकी खेती के लिए आबकारी विभाग से अनुमति लेनी पड़ती है। पोस्त के पौधे के फूल जिसे डोडा बोला जाता है, उसे धारदार चाकू से खरोच दिया जाता है जिससे दूध निकलता है और अफीम बन जाता है। जब डोडा सूख जाता है तो सूखे पोस्त को पानी में भिगोकर अफीम का अर्क निकाला जाता है। फिर इससे मार्फिन और कोडीन निकाला जाता है जो नशीली दवाइयों के काम आता है। इसकी कीमत मार्केट में काफी ज्यादा है। सिडिकेट की तालाश में जुटी पुलिस झारखंड से लेकर राजस्थान जाने को निकली मादक पदार्थ की कंटेनर को पुलिस ने पकड़ कर आरोपित युवक से पूछताछ की। इस दौरान उसके मोबाइल से पुलिस को काफी जानकारी मिली है। एएसपी ने बताया कि अफीम से जुड़े हुए कारोबारियों को जल्द ही गिरफ्त में लिया जाएगा इसके लिए पुलिस कार्य कर रही है।

आरोपित युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन महेश सिंह अत्री ने अहरौरा थाने में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि थानाध्यक्ष संजय सिंह को सूचना मिली थी कि लाल रंग की एक कंटेनर से डोडा पोस्त फूल लादकर राजस्थान ले जाया जा रहा है। सोनभद्र की ओर से आ रही कंटेनर को बार्डर पर रोका गया तो चालक वाहन को छोड़कर भागने लगा। पुलिस

सचिव, ग्राम रोजगार सेवक व तकनीकी सहायक का रोका वेतन

चुनार (मीरजापुर) । विकास खंड नरायनपुर के छह गांवों में शनिवार को बीडीओ पवन कुमार सिंह ने मनरेगा कार्यो का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मिली खामियों पर बीडीओ ने नाराजगी

जाहिर करते हुए संबंधित सचिव, मनरेगा कर्मियों को हिदायत दी। बीडीओ ने कार्रवाई करते हुए जलालपुर माफी के ग्राम रोजगार सेवक संजय सिंह व तकनीकी सहायक धीरेंद्र नाथ का आठ दिन व नकहरा में ग्राम पंचायत सचिव जगदीश का एक दिन का वेतन रोकने, सझौली के ग्राम पंचायत सचिव संतोष कुमार राम, संबद्ध ग्राम रोजगार सेवक एवं तकनीकी सहायक का एक दिन का वेतन मानदेय रोकने तथा भवानीपुर ग्राम सचिव का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। मुनादी कराकर श्रमिकों को मनरेगा के तहत कार्य देने का निर्देश दिया गया। बीडीओ पहले जलालपुर माफी गांव में पहुंचे, जहां पौधारोपण के कार्य पर चार श्रमिकों का मस्टर रोल निर्गत कराया गया था, किंतु अनुरक्षण कार्य प्रारंभ नहीं मिला। यहां 300 मानव दिवस सृजन का लक्ष्य है, लेकिन गांव में मनरेगा का एक भी कार्य संचालित होता नहीं मिला, इस पर बीडीओ ने ग्राम रोजगार सेवक व तकनीकी सहायक को फटकार लगाई। धरम्मरपुर में भी मनरेगा कार्य बंद मिले। नकहरा में इंटरलांकिग कार्य पर 13 श्रमिकों का मस्टर रोल निर्गत किया गया था, किंतु मौके पर कार्य बंद मिला। सझौली में विनोद कुमार एवं राजेंद्र यादव के कैंटल शेड निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया था।

खाते से रुपये निकालने के छह घंटे के अंदर दें सूचना, मिलेंगे पूरे रुपये : डीआइजी

मीरजापुर । पुलिस लाइन सभागार में परिक्षेत्र के समस्त थानों में साइबर हेल्प डेस्क में नियुक्त पुलिसकर्मियों की साइबर कार्यशाला शुक्रवार को आयोजित की गई। इसमें डीआइजी आरके भारद्वाज ने नेशनल साइबर क्राइम

रिपोर्टिंग व साइबर पोर्टल के बारे में जानकारी दी। साथ ही पीपीटी के माध्यम से होने वाले स्पैमिग, फिसिग, हैकिग, साइबर बुलिग, वित्तीय अपराध व फर्जी बैंक काल, बाल अश्लीलता, साफ्टवेयर पाइरेसी इत्यादी के बारे मे बताया गया। कहा कि खाते से रुपये निकालने के छह घंटे के अंदर सूचना देने पर पीड़ितों के सारे रुपये वापस होने की संभावना होती है। देरी करने पर पूरे रुपये वापस कराने में दिक्कत होती है। बताया कि साइबर क्राइम होने पर हेल्प लाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। आम जनता में साइबर अपराध की रोकथाम के लिए जागरूकता फैलाए। साइबर हेल्प लाइन नंबर 1930 एवं उसके बेबसाइड पर शिकायतकर्ता की शिकायत दर्ज करने में मदद करें जिससे पीडित की धनराशि को फ्रीज कर वापस दिलाई जा सके। संज्ञेय साइबर अपराध की घटना में थाना प्रभारी, साइबर नोडल अधिकारी को अवगत कराना, उपरोक्त सभी कार्यवाहियों का विवरण अंकित करने के लिए एक रजिस्टर साइबर हेल्प डेस्क पर अद्यतन करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान लखनऊ के साइबर क्राइम के एक्सपर्ट अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा जूम एप के माध्यम से साइबर हेल्प डेस्क में नियुक्त अधिकारी व कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। डीआईजी ने बताया कि यदि किसी के खाते से रुपये निकाला जाता है तो वह छह घंटे के अंदर पुलिस को करता है तो उसके रुपये फ्रीज कराए जा सकते है। ऐसी स्थिति में शतप्रतिशत रुपये वापस मिलने की संभावना रहती है। समय बीतने के उपरांत रुपये मिलने की संभावना कम हो जाती है। बताया कि एक आदेश जारी किया गया था कि अब साइबर अपराध के मामलों में पीड़ित को इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। आवेदक तत्काल संबंधित थाने पर एक लाख के ऊपर या कम की रकम के हुए अपराध को तत्काल संबंधित थाने को सूचना देकर पंजीकृत करा सकता है। साइबर अपराध के मामलों में अब मुकदमा लिखने में थाना प्रभारी को डीआईजी या एसपी की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी। साइबर अपराध की सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी तत्काल दिए गए निर्देश के अनुरूप कार्रवाई करते हुए अपराध का पंजीकरण करेंगे । इस दौरान एसपी अजय कुमार सिंह, एएसपी संजय कुमार वर्मा,एएसपी यातायात अरूण कुमार सिंह आदि पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

कोहली को फार्म हासिल करने के लिए अजहर ने दी सलाह, बताया कितने मैचों का और क्यों लेना चाहिए ब्रेक

नई दिल्ली। विराट कोहली का फार्म काफी वक्त से खराब चल रहा है और इस पर खूब चर्चा भी हो रही है। आइपीएल 2022 में उन्होंने अपने पिछले 8 मैचों में एक बार 41 और 48 रन की पारी खेलकर उम्मीद जगाई थी, लेकिन उसके बाद वो लगातार फेल ही हो रहे हैं। हैदराबाद के खिलाफ शनिवार को खेले गए मैच में वो गोल्डन डक पर आउट हुए और उससे पहले के मैच में भी लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ वो गोल्डन डक का शिकार हुए थे। कोहली के आइपीएल करियर में ऐसा पहली बार हुआ जब वो किसी दो लगातार मैचों में गोल्डन डक पर आउट हुए। अब कोहली के इस खराब फार्म को देखते हुए टीम इंडिया के पूर्व कप्तान मो. अजरुद्दीन ने उन्हें ब्रेक लेने की सलाह दी जिससे कि वो अपने फार्म को दोबारा से हासिल कर सकें। अजहर के मुताबिक विराट कोहली ने काफी क्रिकेट खेल ली है और उन्हें खुद को तरोताजा रखने के लिए दो-तीन मैचों का ब्रेक लेना चाहिए। ब्रेक की वजह से वो अपनी असफलताओं के बारे में नहीं सोचेंगे और पाजिटिव क्रिकेट खेल पाएंगे। क्रिकट्रैकर से बात करते हुए अजहर ने कहा कि मुझे लगता है कि कोहली का फुटवर्क काफी धीमा हो गया है और एक खिलाड़ी के तौर पर जब मैं उन्हें देखता हूं तो मुझे लगता है कि उन्हें दो-तीन मैचों का ब्रेक लेना चाहिए और खुद को तरोताजा रखना चाहिए। अजहर ने कहा कि अगर कोई खिलाड़ी रन नहीं बना पा रहा है तो उस पर अगले मैच में रन बनाने का दवाब होता है और अगर वो लगातार असफल होता है तो ये चक्र चलता रहता है। मुझे कोहली की क्षमता पर कोई संदेह नहीं है, लेकिन हर खिलाड़ी को ब्रेक की जरूरत होती है। हैदराबाद के खिलाफ उनका फुटवर्क सही नहीं था और इसकी वजह से ही जानसेन की गेंद उनके बल्ले का किनारा लेती हुई दूसरे स्लिप पर चली गई और वो कैच आउट हुए।

एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप से बाहर हुआ ये खिलाड़ी, स्विस ओपन में जीता था सिल्वर मेडल

नई दिल्ली। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय अब एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। उन्होंने चोट के कारण अपना नाम इस चैंपियनशिप से वापस ले लिया है। उन्होंने ट्विट कर अपने फैसले की जानकारी दी है। उन्होंने ट्विट में लिखा है कि स्विस ओपन में चोट के कारण मैं एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में नहीं खेलूंगा। मुझे लगता है कि सबसे अच्छा निणय्र ये है कि मैं अपना सारा ध्यान ट्रेनिंग पर दूं और अगली चुनौती के लिए तैयार रहूं। आपको बता दें कि एशियन चैंपियनशिप की शुरुआत 26 अप्रैल से मनीला फिलीपींस में होने वाली है। वर्ल्ड नंबर 23 प्रणय ने कोरिया ओपन में भाग लिया था लेकिन वहां वे अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। उन्हें कोरिया ओपन के पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा था। उन्हें पहले मैच में चीम जुन वेई ने सीधे गेमों में 21-17 और 21-7 से आसानी से हरा दिया था। हालांकि मार्च में यूरोपियन टूर के दौरान प्रणय अच्छे रंग में थे और जर्मन ओपन के क्वार्टर फाइ?ल तक का सफर तय किया था। इसके अलावा उन्होंने स्विस ओपन में सिल्वर मेडल पर कब्जा किया था। फाइनल मैच में जोनाथन क्रिस्टी ने उन्हें 21-12 और 21-18 से हराया था। प्रणय के अलावा अश्वनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की जोड़ी भी एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में नजर नहीं आएंगे। दोनों भारतीय बैडमिंटन संघ द्वारा दिल्ली में आयोजित ट्रायल्स के दौरान घायल हो गए थे। इतना ही नहीं दोनों ने उबेर कप से भी अपना नाम वापस ले लिया है।

बाबर आजम को लेकर हरभजन ने दी प्रतिक्रिया, कहा-टाप चार में शामिल करना अभी जल्दीबाजी

नई दिल्ली। अक्सर बाबर आजम और विराट कोहली को लेकर चर्चा होती है कि दोनों में बेहतर कौन है और आए दिन इस पर अलग-अलग क्रिकेटर अपनी प्रतिक्रिया भी देते हैं। अब पूर्व गेंदबाज हरभजन सिंह ने भी बाबज आजम पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक अंग्रेजी वेबसाइट्स से बात करते हुए हरभजन सिंह ने टाप 4 फेवरेट क्रिकेटरों के बारे में बात की है। फिलहाल टाप चार खिलाड़ियों में भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली, जो रूट, स्टीव स्मिथ और न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन को शामिल किया जाता है। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने भी करियर के शुरुआत में अपने प्रदर्शन से सबका दिल जीता है और आए दिन विराट कोहली से लेकर उनकी तुलना होती है। लेकिन हरभजन सिंह का मानना है कि अभी ये कहना जल्दीबाजी होगी कि बाबर आजम वर्ल्ड क्रिकेट के टाप चार बल्लेबाजों में से एक है। हालांकि उन्होंने कहा कि उनमें ये क्षमता है। इस बहस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए हरभजन सिंह ने कहा ठमुझे लगता है कि यह कहना थोड़ी जल्दबाजी होगी कि क्या वह फैब 4 में हो सकता है। मुझे यह भी नहीं पता कि फैब 4 में कौन है। लेकिन बाबर में निश्चित रूप से वो क्वालिटी है, वह आत्मविश्वास के साथ तकनीक में भी सक्षम बल्लेबाज है। आगे जाकर वह क्रिकेट के दिग्गजों में से एक होंगे। लेकिन अभी उसे इसमें शामिल करना जल्दबाजी होगी। उसे खेलने दें और अपनी टीम के लिए अधिक से अधिक रन बनाने और मैच जीतने दें। टैलेंट के हिसाब से वो किसी और से कम नहीं है बाबर के अब तक के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने पाकिस्तान के लिए 40 टेस्ट, 86 वनडे और 74 टी20 मैच खेले है, जिसमें उन्होंने 23 अंतरराष्ट्रीय शतकों और 65 अर्धशतकों के साथ क्रमशः 2851, 4261 और 2686 रन बनाए है। वह सभी घ्ण् रैंकिंग में शीर्ष 5 का हिस्सा बनने वाले एकमात्र खिलाड़ी भी है। वह टेस्ट में बल्लेबाजों में पांचवें स्थान पर है और सीमित ओवरों के क्रिकेट में शीर्ष स्थान पर है।

बार्सिलोना घरेलू मैदान पर फिर हारा, ला लीगा मुकाबले में रायो वालेकानो से मिली हार

मैड्रिड। बार्सिलोना की घरेलू मैदान पर तीसरी हार के कारण रीयल मैड्रिड का स्पेनिश लीग ला लीगा का खिताब जीतने का रास्ता भी साफ हो गया। एस्पेनयोल बार्सिलोना को रायो वालेकानो ने 1-0 से हराया। यह पहला अवसर है जब बार्सिलोना ने किसी एक सत्र में सभी प्रतियोगिताओं में अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीन मैच गंवाए हैं। बार्सिलोना की हार से रीयल मैड्रिड अब पिछले तीन सत्र में अपने दूसरे खिताब से केवल एक अंक दूर रह गया है। रीयल मैड्रिड के पास शनिवार को खिताब जीतने का मौका रहेगा जब वह एस्पेनयोल की मेजबानी करेगा। वह अभी दूसरे नंबर पर काबिज बार्सिलोना से 15 अंक आगे है। लीग में अभी पांच दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं। बार्सिलोना ने इससे पहले रायो वालेकानो के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर लगातार सात मैच जीते थे लेकिन वालेकानो के अलवारो गसिच्या के सातवें मिनट में किए गोल से उसका यह विजय अभियान थम गया। इस हार के बाद बार्सिलोना के तीसरे नंबर पर काबिज सेविया के बराबर अंक रह गए हैं। वह चौथे स्थान की टीम एटलेटिको मैड्रिड से केवल दो अंक आगे है। लीग में चोटी पर रहने वाली चार टीम चैंपियंस लीग में जगह बनाएगी। ला लीगा में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम स्पेनिश सुपर कप में भी जगह बनाएगी जो सऊदी अरब में खेला जाएगा। आई-लीग क्लब मिनर्वा पंजाब एफसी के पूर्व मालिक और उद्यमी रंजीत बजाज ने सोमवार को आरोप लगाया कि अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआइएफएफ) के महासचिव कुशल दास ने कार्यस्थल पर कर्मचारियों से छेड़छाड़ की है। एआइएफएफ और उसके शीर्ष अधिकारी ने हालांकि इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। बजाज के पास मिनर्वा पंजाब का सात साल तक स्वामित्व था। उन्होंने आरोप लगाया कि दास के खिलाफ कार्यस्थल पर कर्मचारियों के साथ छेड़छाड़ के दो मामले थे और यौन उत्पीड़न की शिकायतों से निपटने वाली समिति ने एआइएफएफ अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल के दबाव के कारण इस मामले को रफा-दफा कर दिया था। बजाज ने ट्वीट किया, 'कुशल दास इस्तीफा दे दो नहीं तो मैं आपकी उन गतिविधियों का खुलासा करूंगा जिन्हें प्रफुल्ल पटेल ने रफा-दफा करवा दिया था।कार्यस्थल पर अपने कर्मचारियों के साथ छेड़छाड़ के दो मामले थे। एआइएफएफ के यौन उत्पीड़न शिकायत अधिकारी के प्रमुख को प्रफुल्ल पटेल ने इस रिपोर्ट को दबाने के लिए मजबूर किया था।

जब सचिन की बदमाशियों से तंग आकर मां ने भेज दिया क्रिकेट ट्रेनिंग कैंप

नई दिल्ली। क्रिकेट के भगवान और ड्रेसिंग रूम में सबके सचिन पाजी 49 साल के हो गए है। सचिन और रिकार्ड एक दूसरे के पूरक माने जाते हैं। 24 साल तक लकड़ी के बैट से लोहा मनवाना किसी साधारण खिलाड़ी के बस की बात नहीं होती पर उन्होंने ये काम बाखूबी किया लेकिन बात आज उनकी मां की जब उन्होंने पहली बार उनके टैलेंट को पहचाना और उन्हें क्रिकेट ट्रेनिंग कैंप भेजा और शुरू हुई एक साधारण बच्चे की असाधरण क्रिकेटर बनने का सफर। एक इंटरव्यू में जब सचिन की मां से पूछा गया था कि उन्हें कब लगा कि इस बच्चे के अंदर क्रिकेट खेलने की प्रतिभा है तो वो कहती हैं सच पूछिए तो उनकी नजर में हर लड़का बचपन में बैट-बाल और लड़की गुड़िया से खेलती है इसलिए उन्हें सचिन के बारे में भी ऐसा ही लगा। एक बार सचिन अपने घर के कंपाउंड में आम तोड़ रहे थे। चौकीदार ने देख लिया और चिल्लाने लगा। उनके साथी भाग खड़े हुए लेकिन सचिन पेड़ पर फंस गए। चौकीदार ने जैसे ही सचिन को उतारना चाहा वे कूद कर भाग गए। उस दिन घर में सचिन को लेकर खूब चिंता हुई। सचिन के भाई अजित तेंदुलकर ने कहा कि वो अच्छा क्रिकेट खेलता है। उसकी प्रतिभा को घर की चारदीवारी तक नहीं रहना चाहिए बल्कि उन्हें क्रिकेट खेलने भेजना चाहिए। लेकिन उनकी मां का मानना था कि ऐसी कोई बात नहीं है फिर उन्होंने ये सोचकर हामी भर दी कि दो महीने तक उनकी बदमाशियों से छुटकारा मिलेगा। इसके बाद सचिन की ट्रेनिंग शुरू हुई और उनकी मुलाकात हुई रमाकांत आचरेकर सर से जिन्होंने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उनकी दुनिया ही बदल दी। आज शायद ही कोई रिकार्ड हो जो सचिन के नाम न हो। आपको बता दें कि सचिन ने अपना आखिरी मैच मुंबई में कराने के लिए बीसीसीआइ से आग्रह इसलिए किया था क्योंकि वो कम से कम एक मैच अपनी मां को दिखाना चाहते थे। इससे पहले उनकी मां ने एक भी मैच स्टेडियम आकर नहीं देखा था।

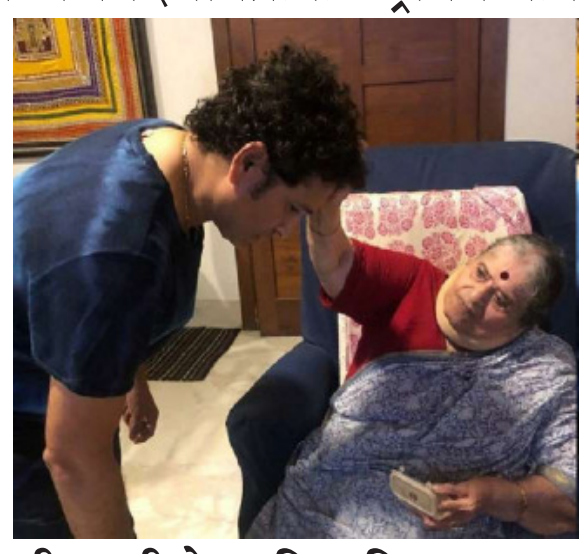

टीम इंडिया में नंबर चार को लेकर इरफान पठान ने सुझाया इस क्रिकेटर का नाम कहा ये उनका नया वर्जन है

नई दिल्ली। भारतीय टीम में नंबर चार पर कई बल्लेबाजों को आजमाया गया लेकिन अब तक कोई भी बल्लेबाज इस पोजिशन पर अपनी जगह पक्की नहीं कर पाया है। वर्ल्ड कप में जब नंबर 4 के लिए अंबाती रायडू को दरकिनार कर वियजशंकर को आजामाया गया था तब भी इस पर काफी बहस हुई थी कि क्या इस नंबर के लिए सही चुनाव हुआ है। वर्तमान में इस नंबर को लेकर श्रेयस अय्यर, रिषभ पंत और सूर्यकुमार जैसे बल्लेबाज अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं लेकिन पूर्व गेंदबाज इरफान पठान ने इस नंबर पर खेलने के लिए सबसे उपयुक्त जिस खिलाड़ी को बताया है वो हैं पहली बार कप्तानी कर रहे गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या। आइपीएल के इस सीजन में हार्दिक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। वे अपनी टीम गुजरात के लगातार चार नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं और सफल भी हो रहे हैं। वे फिलहाल आरेंज कैप की सूची में 6 मैचों में 295 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने अब तक तीन अर्धशतकीय पारी खेली है और उनका सर्वाधिक स्कोर 87 रन रहा है। हार्दिक पांड्या को लेकर पठान ने कहा है कि ठये नए हार्दिक पांड्या है. यह उनका बेहतर वर्जन है। उन्होंने इस सीजन में जिन परिस्थितियों में खेला है, उसे देखकर अच्छा लगा। हार्दिक के बारे में अच्छी बात यह है कि वह नंबर 4 पर जिम्मेदारी से बल्लेबाजी कर रहे हैं। विकेट जल्दी गिरने के बाद आपको ज्यादा मौके नहीं मिलते हैं, लेकिन हार्दिक गुजरात के लिए अपनी पारी की शुरुआत में बड़े स्ट्रोक खेलने से नहीं कतराते। वे खराब गेंदों पर बड़े शाट लगाने से हिचकते नहीं हैं। टीम इंडिया हो या गुजरात टाइटंस, चौथे नंबर पर हार्दिक सबसे उपयुक्त बल्लेबाज है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वह जिम्मेदारी ले सकते हैंठ फिलहाल उनकी कप्तानी में गुजरात की टीम 7 मैचों में 6 जीत दर्ज कर नंबर वन पर बनी हुई है।

पीएसजी ने सुरक्षित किया अपना 10वां लीग-1 खिताब, लेंस के खिलाफ मेसी ने दागा गोल

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने लेंस से 1-1 से ड्रा खेलने के बावजूद अपना 10वां लीग-1 खिताब सुरक्षित कर लिया है। इस मैच के बाद पीएसजी के 78 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर मौजूद मार्सिले से 16 अंक आगे है। पीएसजी ने इस तरह पिछले 10 में से आठ लीग-1 खिताब अपने नाम कर लिए हैं। उसे सिर्फ मोनाको ने 2017 और लिली ने पिछले साल इस खिताब से वंचित रखा था। पीएसजी ने साथ ही सेंट एटिने के रिकार्ड की बराबरी की जिन्होंने 1957 से 1981 के बीच 10 लीग-1 खिताब जीते थे। इससे पहले, दोनों टीमों के बीच पहले हाफ तक मुकाबला गोलरहित बराबरी पर रहा था। दूसरे हाफ में खराब फाउल के कारण लेंस के केविन डांसो को 57वें मिनट में लाल कार्ड दिखाया गया जिसके कारण टीम शेष मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने उतरी। इस बीच, पीएसजी के स्टार खिलाड़ी मेसी ने नेमार के पास पर 68वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। पीएसजी ने करीब 20 मिनट तक इस बढ़त को कायम रखा लेकिन अंतिम क्षणों में लेंस के कोरेंटनि जीन ने डिविएर माचादो के पास पर 88वें मिनट में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। पीएसजी के लीग-1 खिताब पर कब्जा करने के बावजूद उनके प्रशंसकों ने जशन नहीं मनाया।

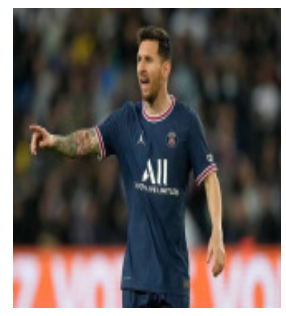

मुंबई को मिली लगातार 8वीं हार, केएल राहुल से सामने रोहित शर्मा हुए फ्लाप

नई दिल्ली। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर आइपीएल 2022 के 37वें मैच में मुंबई इंडियंस का सामना लखनऊ सुपर जाइंट्स के साथ हुा। मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने इस मैच में टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए केएल राहुल की शतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 168 रन बनाए और मुंबई को जीत के लिए 169 रन का लक्ष्य दिया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 132 रन बनाए और उसे 36 रन से हार मिली। वहीं लखनऊ की ये इस लीग में पांचवीं जीत थी और ये टीम 10 अंक के साथ अब चौथे नंबर पर पहुंच गई है। वहीं मुंबई की टीम के एक भी अंक नहीं हैं और ये टीम दसवें स्थान पर है। इस हार के साथ मुंबई की टीम इस सीजन में प्लेआफ की दौड़ से भी बाहर हो गई। केएल राहुल को उनकी शतकीय पारी के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया। मुंबई को पहला झटका ईशान किशन के तौर पर लगा और वो रवि बिशनेई की गेंद पर 8 रन बनाकर कैच आउट हो गए। ब्रेविस को 3 रन के स्कोर पर मोहसिन खान ने आउट कर दिया तो वहीं कप्तान रोहित शर्मा को 39 रन के स्कोर पर क्रुणाल पांड्या ने कैच आउट करवा दिया। सूर्यकुमार यादव ने 7 रन पर आयुष बदोनी की गेंद पर अपना विकेट गंवा दिया। तिलक वर्मा को 38 रन पर जेसन होल्डन ने आउट कर दिया। पोलार्ड को क्रुणाल पांड्या ने 19 रन पर कैंच आउट करवा दिया।

जयदेव उनादकट एक रन बनाकर रन आउट हो गए तो वहीं डेनियल सैम्स 3 रन पर क्रुणाल पांड्या का शिकार बने। लखनऊ की तरफ से क्रुणाल पांड्या ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। लखनऊ का पहला विकेट क्विंटन डिकाक के तौर पर गिरा और वो 10 रन बनाकर जसप्रीत बुमराह की गेंद पर आउट हो गए। डिकाक का कैंच मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने लपका। मनीष पांडे ने 22 गेंद पर 22 रन की पारी खेली और उन्हें पोलार्ड ने कैंच आउट करवा दिया। लखनऊ का तीसरा विकेट स्टोइनिस के तौर पर गिरा और वो सैम्स की गेंद पर आउट हुए साथ ही वो अपना खाता भी नहीं खोल पाए। हार्दिक पांड्या ने एक रन बनाए और उन्हें पोलार्ड ने कैंच आउट करवा दिया। दीपक हुडा ने 10 रन बनाए और उन्हें मेरेदिथ ने आउट किया। केएल राहुल ने इस मैंच में 61 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। आयुष बदोनी को मेरेदिथ ने 14 रन पर आउट कर दिया। केएल राहुल ने नाबाद 103 रन की पारी खेली।मुंबई की तरफ से पोलार्ड व मेरेदिथ को दो-दो जबकि बुमराह व सैम्स को एक-एक सफलता मिली।

राशिफल

मेष-: आज का आसान काम मिलकर आपको आराम के लिए काफी समय देगा. आज आप आसानी से पैसा जमा कर सकते हैं।

वृष-: आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। नए रिश्ते की शुरुआत होने की संभावना है। इसके साथ ही हम अपने करीबी रिश्तों को बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे।

मिथुन-: आपको आत्मविश्वास बनाए रखना होगा तभी आप किसी काम में अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे. आज किसी के साथ पैसों का लेन-देन न करें और न ही किसी को उधार दें।

कर्क-: आपके ख़र्चे बढ़ेंगे, जो आपके लिए परेशानी का सबब साबित हो सकता है. पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता दें।

सिंह-: आज आपका मन लेखन कार्य में रहेगा। इस राशि के छात्र जो विदेश में पढ़ाई करना चाहते हैं। विदेशी विश्वविद्यालयों से उनकी पढ़ाई को लेकर बात करने के लिए आज का दिन अच्छा है।

कन्या-: सामाजिक और धार्मिक समारोहों के लिए यह बहुत अच्छा दिन है। व्यापार या नौकरी में लाभ होगा। आय में वृद्धि होगी। दाम्पत्य सुख की अनुभूति होगी। यह पूरी तरह से लाभदायक दिन है।

तुला-: दूसरों की प्रशंसा करके आप उनकी सफलता का आनंद उठा सकते हैं. अनुमान अशुभ साबित हो सकते हैं, इसलिए सभी प्रकार के निवेश करते समय बहुत सावधान रहें।

वृश्चिक-: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज अधिक गुस्सा करने से आपका काम बिगड़ सकता है। बेहतर होगा कि आज किसी बात पर गुस्सा करने से बचें।

धनु-: सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आज आपकी रचनात्मकता आपको अन्य सहयोगियों से आगे ले जाएगी। खर्चे ज्यादा रहेंगे। इन पर नियंत्रण जरूरी है।

मकर-: बेवजह का तनाव और चिंताएं जीवन का रस निचोड़कर आपको पूरी तरह से चूस सकती हैं. इन आदतों को छोड़ देना ही अच्छा है, नहीं तो ये आपकी परेशानी ही बढ़ा देंगी।

कुंभ-: आज आपका दिन राहत देने वाला है. कई वर्षों से चल रहे जमीन के विवाद में विजय प्राप्त होगी। इस राशि के जातकों के लिए आज का दिन शुभ है। परिवार में विवाह की सहमति बनेगी।

मीन-: नौकरी में आपको कर्मचारी से अच्छा सहयोग मिल सकता है। शादीशुदा लोगों के दांपत्य जीवन में कुछ परेशानियां आ सकती हैं। आज आप अपने काम को बढ़ाने में सफल रहेंगे।

सम्पादकीय

शिक्षकों की कमी से जूझ रही शिक्षा व्यवस्था देश के विकास में बन रही बाधा

विश्व में कोरोना के पश्चात शिक्षा के रूप-स्वरूप के त्वरित बड़े बदलाव की चर्चा जोर पकड़ चुकी है। शिक्षा की गतिशीलता उसका आवश्यक अंग है, लेकिन कोरोना के विस्तार ने शिक्षा में 'क्या पढ़ाया जाए और कैसे पढ़ाया जाए' के संपूर्ण क्षितिज को अप्रत्याशित ढंग से बदल दिया है। पूरी दुनिया ने कठिन स्थिति को लगभग दो वर्ष झेला है और अभी भी अनिश्चय की स्थिति बनी हुई है। इस दौरान सबसे अधिक हानि बच्चों और युवाओं को हुई है। उनके व्यक्तित्व विकास और सीखने के अधिगम में जो कमियां आई हैं, उसकी भरपाई करने के प्रयास अब और अधिक ऊर्जा के साथ हो रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के प्रयास इन सारी स्थितियों को पूरी तरह समझकर किए जा रहे हैं। अतः हर वर्ग की अपेक्षाएं भी बढ़ी है। अगले दो वर्षों में स्थिति स्पष्ट हो जाएगी कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में भारत कितना सफल होगा। इस समय देश में 1.508 करोड़ स्कूल हैं। इनमें लगभग 97 लाख अध्यापक हैं। 26.5 करोड़ बच्चे स्कूलों में हैं, जिनमें 1.87 करोड़ यानी 62 प्रतिशत प्रारंभिक स्कूलों में हैं। मोटे तौर पर अनुमान यह है कि करीब दस लाख से अधिक स्कूल अध्यापकों के पद रिक्त है। स्कूली शिक्षा में एक बड़ी चुनौती यह है कि वर्ष 2006 के बाद के 15 वर्षों में सरकारी स्कूलों में 15 प्रतिशत नामांकन कम हुआ है, जिसे आबादी की वृद्धि के अनुपात में बढ?ा चाहिए था। भारत के समेकित और समग्र विकास का रास्ता गांवों के सरकारी स्कूलों के दरवाजे से ही निकलेगा। लिहाजा इन स्कूलों की साख और स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास करने होंगे। पिछले कुछ दशकों से शिक्षा में कुछ ऐसी स्थितियां उभरी हैं, जिनके समाधान अनेक प्रयासों तथा आश्वासनों के पश्चात भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। प्रशिक्षित तथा नियमित अध्यापकों की नियुक्ति इसमें संभवतः सबसे जटिल समस्या के रूप में सामने आ रही है। दिल्ली के शिक्षा सुधारों की चर्चा पिछले कई वर्षों से हमारे सामने आती रही है। वहां के 1,027 सरकारी स्कूलों में सिर्फ 203 में नियमित प्रधानाचार्य नियुक्त हैं। अन्य में अस्थायी प्रधानाचार्य के द्वारा ही स्कूल संचालित हो रहे हैं। यह दिल्ली सरकार की स्थिति है, जहां कितने ही लोग फिनलैंड की शिक्षा व्यवस्था का अवलोकन और अध्ययन करने जा चुके हैं। वैसे नियुक्तियां चाहे अध्यापकों की हों, प्रधानाचार्यों या प्राचार्यों की, स्थिति कमोबेश अधिकांश राज्यों में ऐसी ही है। कोई भी शिक्षा व्यवस्था इस तथ्य को अस्वीकार नहीं कर सकेगी कि स्कूल कितना ही छोटा या बड़ा क्यों न हो, प्रथम स्थान पर नियुक्त होने वाला व्यक्ति नियमित, प्रशिक्षित और प्रतिबद्ध होना ही चाहिए। शैक्षिक नेतृत्व को विकसित करने का उत्तरदायित्व केंद्र और राज्य सरकारों को प्राथमिकता के साथ स्वीकार करना चाहिए। अध्यापकों को लेकर जो चुनौती स्कूलों के समक्ष है, उतनी ही या उससे भी अधिक जटिल चुनौती उच्च शिक्षा संस्थानों के समक्ष भी है। दिल्ली के प्रतिष्ठित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में डाक्टरों के एक तिहाई पद रिक्त हैं। जो नए एम्स देश में खुले है, उनकी स्थिति का अंदाजा इसी लगा सकते हैं। यही हाल केंद्रीय विश्वविद्यालयों का भी है। राज्य सरकारों के उच्च शिक्षा संस्थान इससे भी बड़ी मुश्किल में परिचालन कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालय केवल शिक्षा ही दे रहा हो या शिक्षा और शोध, दोनों पर कार्य कर रहा हो, उससे गुणवत्ता की अपेक्षा व्यर्थ ही होगी। यदि छात्र-अध्यापक अनुपात स्वीकार्य स्तर पर आ जाए तो शोध की गुणवत्ता और नवाचार स्वतः ही बढ़ जाएंगे। साफ है भारत को पांच लाख करोड़ डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए इसकी बौद्धिक संपदा को बढ़ाना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने अध्यापकों के संबंध में अत्यंत आशाजनक टिप्पणी की है कि 'शिक्षा व्यवस्था में किए जा रहे बुनियादी बदलावों के केंद्र में अवश्य ही शिक्षक होने चाहिए। शिक्षा की नीति को शिक्षकों को समाज के सर्वाधिक सम्माननीय और अनिवार्य सदस्य के रूप में पुनः स्थान देने में सहायता करनी होगी, क्योंकि शिक्षक ही नागरिकों की हमारी अगली पीढ़ी को सही मायने में आकार देते हैं।' ऐसा कहा तो अनेक बार गया है, लेकिन अब इसे ईमानदारी से व्यावहारिकता में परिवर्तित करना ही होगा। किसी भी पीढ़ी को सजग, सतर्क, जिज्ञासु और क्रियाशील बनाने के लिए सबसे अधिक उपयुक्त समय प्रारंभिक आयु के वे संवेदनशील वर्ष होते हैं, जिनमें कक्षा दस तक की शिक्षा प्राप्त की जाती है।

अमेरिका में मानवाधिकार उल्लंघन पर विदेश मंत्री जयशंकर का उसे आईना दिखाना एक साहसिक वैचारिक चुनौती

पिछले दिनों अमेरिकी दौरे पर गए विदेश मंत्री एस. जयशंकर का एक बयान बहुत चर्चित रहा। उन्होंने कहा कि 'हम भी दूसरे देशों में मानवाधिकारों की स्थिति पर राय रखते हैं और इनमें अमेरिका भी शामिल है।' उनके इस बयान ने मानवाधिकारों के मसले पर अमेरिका को आईना दिखाने का काम किया। वास्तविकता यही है कि अभी तक पश्चिमी देश ही भारत समेत तमाम देशों को मानवाधिकारों पर उपदेश देते आए हैं। जबकि अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों में जारी मानवाधिकारों के उल्लंघन पर बोलने की किसी में हिम्मत नहीं होती थी। दरअसल अमेरिका अपनी ताकत के दम पर खुद ही दुनिया में मानवाधिकारों का ठेकेदार बन बैठा। मानवाधिकारों को लेकर अमेरिकी संस्थाओं द्वारा तय विमर्श ही अंतिम सत्य माना जाता रहा। पश्चिम के दबदबे वाला अंतरराष्ट्रीय मीडिया भी इसी विमर्श को आगे बढ़ाता रहा। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों पर भी पश्चिमी देशों का ही वर्चस्व है तो अमेरिका जैसे देशों ने गरीब या विकासशील देशों की सरकारों पर दबाव बनाने के लिए वित्तीय सहायता को इन देशों में मानवाधिकारों की स्थिति से जोड़ दिया। किसी गरीब या विकासशील देश में उन्हें रास न आने वाली सरकार बनती तो वे उस पर मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप लगाकर उसे बैकफुट पर धकेलने लगते हैं। पश्चिम प्रायोजित इस विमर्श को चुनौती देने का साहस किसी में नहीं था। कारण यही कि पश्चिमी मानवाधिकार संस्थाएं और अंतरराष्ट्रीय मीडिया उसके बचाव के लिए सदैव तत्पर था। ऐसी स्थिति में जयशंकर का बयान न केवल क्रांतिकारी, बल्कि स्वागतयोग्य भी है। मानवाधिकार संगठनों पर वामपंथी -उदारवादियों का सदा से नियंत्रण रहा है और वामपंथी

राजनीति वर्ग संघर्ष पर आधारित रही है। ये संस्थाएं वामपंथी उदारवादी विमर्श को आगे बढ़ाने के लिए मानवाधिकार उल्लंघनों के आरोपों का वर्ग संघर्ष को जन्म देने और उसकी तीव्रता बढ़ाने के लिए उपयोग करने लगीं। मानवाधिकार वर्गाधिकार बना दिए गए और वर्ग वोट बैंक। चूंकि बढ़ा हुआ वर्ग संघर्ष अक्सर अलगाववाद को जन्म देता है तो तमाम विभाजनकारी शक्तियों को इस उपक्रम में अपनी दाल गलती दिखी। परिणामस्वरूप संप्रदायों के धार्मिक अधिकारों को व्यक्ति के मानवाधिकारों से जोड़ दिया गया। इसने समस्या को और विकट बना दिया, क्योंकि जिन संप्रदायों में दूसरों का मतांतरण करना कर्तव्य बताया गया है तो उन संप्रदायों के मानने वाले का दूसरों का मतांतरण करना उसके निजी मानवाधिकार में गिना जाने लगा। अगर कोई उसे ऐसा करने से रोके तो मानवाधिकार उल्लंघन के नाम पर ये संस्थाएं हंगामा करने लगतीं। नतीजा यह हुआ कि मतांतरण का धंधा चलाकर पश्चिम का प्रभाव एशियाई और अफ्रीकी देशों में बढ़ाने में लगीं तमाम संस्थाएं भी मानवाधिकार के रथ पर सवार हो गईं। मतांतरण की धार्मिक स्वतंत्रता मानवाधिकार और इस पर कोई भी रोक-टोक मानवाधिकार हनन बन गया। यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन आन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम यानी यूएससीआइआरएफ जैसी वे संस्थाएं, जो अमेरिकी सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करती हैं, विभिनन देशों को धार्मिक स्वतंत्रता एवं मानवाधिकारों का सर्टिफिकेट प्रदान करने वाली मठाधीश बन बैठीं। इन संस्थाओं की रिपोर्ट कभी निष्पक्ष एवं न्यायसंगत नहीं रहीं। पश्चिम के निहित स्वाथों के अनुरूप विमर्श गढ़ना ही उनका उद्देश्य रहा है। यही कारण है कि जहां चर्च में छोटी-मोटी चोरी को भी उन्होंने भयंकर मानवाधिकार उल्लंघन और धार्मिक स्वतंत्रता का हनन बताया, वहीं कश्मीरी हिंदुओं और रियांग हिंदुओं के निर्मम नरसंहारों पर चुप्पी साधे रखी। अमेरिकी सरकार ने यूएससीआइआरएफ जैसी संस्थाओं को दुनिया भर में धार्मिक स्वतंत्रता पर नजर रखने और नीतिगत सिफारिशों के साथ अपनी रिपोर्ट सौंपने का काम सौंप रखा है, लेकिन खुद अमेरिका के भीतर मानवाधिकारों एवं धार्मिक स्वतंत्रता पर कोई बात नहीं होती। यह चिराग तले अंधेरे वाली स्थिति है। भला यह कैसे विस्मृत किया जा सकता है कि आचार्य रजनीश के बढ़ते प्रभाव के कारण चर्च के दबाव में उन्हें अमेरिका और अन्य ईसाई बहुल देशों को छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। बतौर अमेरिकी राष्ट्रपति भारत दौरे पर आए बराक ओबामा ने प्रधानमंत्री मोदी के बगल में बैठकर चर्च की खिड़की का कांच टूटने जैसी घटनाओं को लेकर मानवाधिकारों और धार्मिक सहिष्णुता का राग छेड़ा था। वहीं अमेरिका के केंटुकी स्थित स्वामीनारायण मंदिर में हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों पर कालिख पोतकर मंदिर की दीवारों पर 'जीसस इज द ओनली ट्रू लार्ड' लिखे जाने जैसी घटनाओं की आपने कभी चर्चा नहीं सुनी होगी। 2001-19 के बीच अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर इस प्रकार के 19 हमले हुए। इतना ही नहीं, अमेरिका में चर्च ने योग को लेकर घृणा फैलाने का खुला अभियान छेड़ रखा है। सिएटल के बिशप तो सार्वजनिक रूप से योग को 'शैतान की पूजा' बता चुके हैं। अमेरिका में अश्वेतों के साथ भेदभाव और 'ब्लैक लाइव्ज मैटर' जैसे आंदोलनों के बारे में आपने सुना होगा, परंतु उनसे भी ज्यादा बुरी स्थिति वहां के रेड इंडियन आदिवासियों के मानवाधिकारों की है, जो अमेरिकी संघीय गणराज्य के रूप में अस्तित्व में आने से लेकर आज तक नहीं सुलझी। अमेरिका के राष्ट्र निर्माताओं ने भारी नरसंहार के बाद वहां के आदिवासी राज्यों को अमेरिकी परिसंघ में शामिल करते समय तमाम लिखित संधियां की थीं, जो बाद में तोड़ दी गईं। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने इस कदम को सही भी ठहरा दिया। यह मुद्दा संयुक्त राष्ट्र तक जा चुका है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय विमर्श पर अमेरिकी दबदबे के चलते अधिकांश लोग इन मुद्दों से अनभिज्ञ हैं। ऐसे में विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के विदेश मंत्री का इन मुद्दों की ओर संकेत करना स्थापित पाश्चात्य विमर्श को साहसिक वैचारिक चुनौती है, जिसे तथ्यों का साथ मिलने वाला है।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध से कैसे भारत में महंगाई पर पड़ रहा है असर

आग के बम भले ही केवल यूक्रेन पर गिर रहे हैं, परंतु महंगाई के बम सारी दुनिया पर। पेट्रोल जैसी आवश्यक पदार्थ की कीमत पिछले 14 वर्षों के रिकार्ड तोड़ गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोल 139 डालर प्रति बैरल तक चला गया, कीमत ऊपर नीचे हो रही है, किंतु 100 डालर से नीचे जाने की अभी कोई उम्मीद नहीं है। दिल्ली में पिछले चार सप्ताह में पेट्रोल की कीमतें 15 बार बढ़ाई गई हैं। 22 मार्च से कीमत बढ?ी शुरू हुई, अब कुछ स्थिर है। देश के विभिनन शहरों में पेट्रोल 105 से 123 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। एलपीजी की कीमत भी निरंतर बढ़ रही है। भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत कच्चा तेल विदेश से आयात करता है, रूस और यूक्रेन दोनों ही कच्चे तेल और गैस के दुनिया के बड़े उत्पादकों में है। युद्ध के कारण सप्लाई चेन में जो बाधा आई है और अमेरिका तथा अन्य यूरोपीय देशों ने रूस पर जो प्रतिबंध लगाए हैं, उनका असर कीमतों पर तेजी से पड़ा है जो युद्ध जारी रहने तक रह सकता है। विकसित देशों की अपेक्षा भारत में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी आदि सभी की कीमतें अधिक हैं। इनकी कीमतों में और वृद्धि होने से वायु, जल, थल सभी यातायात और महंगे हो हो रहे हैं। एयरलाइंस का 30 से 40 प्रतिशत खर्च ईंधन पर होता है। कारों में पेट्रोल, रेल ईंजन और ट्रकों में डीजल का बड़ी मात्रा में उपयोग होता है। रसोई गैस महंगी होने से आम आदमी का बजट तेजी से प्रभावित हुआ है। खाने के तेलों की कीमतों में भी

तेजी से बढ़ोतरी हुई है। यूक्रेन सूर्यमुखी के फूलों, जिससे तेल बनाए जाते हैं, उसका दुनिया के बड़े उत्पादकों में एक है। युद्ध के बाद से भारत में खाने के तेलों की कीमतों में 20 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हो चुकी है। थोक कीमतों का सूचकांक 14.5 प्रतिशत पर है जो पिछले 10 वर्षों में दूसरी बार इतनी ऊंचाई पर आया है। खुदरा कीमतों का सूचकांक भी 6.95 प्रतिशत पर पहुंच गया है जो 17 माह बाद इस स्तर पर फिर आया है। ईंधन की कीमतों में वृद्धि सारी चीजों की कीमतों में उछाल लाती है। रोजमर्रा के उपभोग की चीजें- खाद्य पदार्थ, कपड़े, जूते, गाडिय़ां, सीमेंट, पेंट-वार्निश, आटो एवं ऊर्जा उत्पादन के लागत में वृद्धि होने लगी है। सेमीकंडक्टर जिसका इस्तेमाल आटो और इलेक्ट्रानिक सहित कई उद्योगों में होता है, पहले से ही महंगाई से जूझ रहा है, अब और तेजी से इनकी कीमतें बढ़ेंगी। दुनिया भर की चिप इंडस्ट्री काफी हद तक रूस और यूक्रेन पर निर्भर है। उर्वरक बनाने में उपयोग किए जाने वाले अमोनियम नाइट्रेट की आपूर्ति रूस से बड़ी मात्रा में होती है, लेकिन इसके महंगे होने से खेती से संबंधित सभी उत्पादों की कीमतें प्रभावित होंगी। तांबा और प्लेटिनम आदि का भी रूस बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। इन धातुओं की महंगाई से आटो, इलेक्ट्रानिक और कई सारे उद्योग प्रभावित होंगे। युद्ध के चलते रहने से खेत से लेकर कारखाने तक उत्पादन लागत में वृद्धि हो रही है। युद्ध से भारत का विदेश व्यापार प्रभावित हो रहा है। यूक्रेन में बनी चीजें एशिया में सबसे अधिक भारत में आयात होती है। इनमें तांबा, निकेल, केमिकल्स, मशीनरी, लकड़ी और लकड़ी के सामान, रक्षा सामग्री, प्लास्टिक, शीशा, कीमती पत्थर, खाने के तेल, मेवों, फलों, दूध और शक्कर से बनी खाने पीने की चीजें सम्मिलित हैं। भारत यूक्रेन को फार्मास्यूटिकल्स, टेलीकाम के कलपुर्जे, सेरेमिक्स, लोहा और इस्पात आदि का निर्यात करता है। दोनों देशों के बीच में लगभग 2.8 अरब डालर का व्यापार प्रतिवर्ष होता है। वहीं दूसरी ओर रूस भारत का महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार रहा है। भारत रूस से कच्चा तेल, रक्षा उपकरण, रासायनिक खाद, धातुएं, कीमती पत्थर आदि आयात करता रहा है। औसतन दो लाख बैरल कच्चा तेल भारत प्रतिदिन रूस से आयात करता है। रूस की बड़ी कंपनियां भारी संयंत्र उत्पादक- उरालमास, गैस उत्पादक- गाजप्रोम, न्यूक्लियर पावर फैसिलिटी उत्पादक- रोसआतम, पनबिजली एवं अणु ऊर्जा उत्पादक- शिलवीय मशीन और मिसाइल बनाने वाली ब्रह्मोस आदि का भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की कुछ बड़ी कंपनियों के साथ ज्वाइंट वेंचर भी है। ओएनजीसी, इंडियन आयल आदि का रूसी कंपनियों में भारी निवेश है। तीन सौ के लगभग छोटी भारतीय कंपनियां रूस में पंजीकृत हैं। भारत रूस को मुख्य रूप से चावल, चाय, काफी, मसाले, दवाएं, चमड़े के सामान, ग्रेनाइट आदि निर्यात करता है। वर्ष 2021 में भारत ने रूस को 3.3 अरब डालर के सामान निर्यात किए थे। वैसे भारत के कुल विदेश व्यापार में रूस और यूक्रेन अमेरिका, चीन और यूरोपिय संघ के देशों से बहुत पीछे है। रूस भारत का 25वां बड़ा कारोबारी साझेदार है। युद्ध छिड़?े के बाद रूस ने भारत को कच्चा तेल अंतरराष्ट्रीय कीमतों से 35 प्रतिशत कम पर देने का प्रस्ताव किया है और भुगतान डालर की जगह रूबल में लेने को भी तैयार है जो भारत के हित में है। रुपया और रूबल के माध्यम से पहले भी भारत और रूस के बीच व्यापार होता रहा है। अमेरिका और नाटो देशों के प्रतिबंध के कारण रूस इस समय अंतरराष्ट्रीय अंतर बैंक सिस्टम से अलग कर दिया गया है जिससे उसके लिए डालर में लेन-देन की समस्या खड़ी हो गई है। अंतरराष्ट्रीय करेंसियों- डालर, यूरो आदि की तुलना में रूबल काफी नीचे जा चुका है। भारत से रूबल-रुपया के माध्यम से व्यापार करने में रूस का भी हित है। भारत के रुपये की कीमत में भी कुछ गिरावट आई है, किंतु भारत के पास विदेशी मुद्रा का अच्छा भंडार है, चीन जापान और स्विट्जरलैंड के बाद सबसे अधिक विदेशी मुद्रा भारत के पास है। भारत की मुद्रा और वित्त नीति निवेश बढ़ाने, बजटीय और व्यापार घाटे को सीमित रखने में सक्षम है। भारत की निर्यात क्षमता बढ़ी है, वर्ष 2021-22 में 400 अरब डालर का लक्ष्य पूरा हुआ जो अर्थव्यवस्था के निर्यातोन्मुख होने के संकेत दे रहा है। हालांकि इस युद्ध का एक अन्य पहलू यह भी है कि अनाज की कीमतें विश्व बाजार में तेजी से बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में भारत के कृषि पदार्थों की मांग विश्व बाजार में बढ़ सकती है। देश के किसानों को इसका लाभ मिल सकता है। देश के कई हिस्सों में निजी कंपनियों द्वारा गेहूं की खरीद सरकार द्वारा तय न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक कीमत पर की जा रही है।

आखिर क्यों उठ रही देश में पीएफआइ पर प्रतिबंध लगाने की मांग

पिछले कुछ दिनों से पीएफआइ लगातार चर्चा में है, क्योंकि एक के बाद एक घटनाओं में उसका नाम आ रहा है। बीते दिनों गोवा के मुख्यमंत्री ने इस संगठन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। ऐसी ही मांग कुछ और राज्य सरकारें कर चुकी हैं। पीएफआइ के बारे में केरल पुलिस ने दिसंबर, 2012 में केरल हाई कोर्ट में कहा था कि स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट यानी सिमी का ही नया रूप पापुलर फ्रंट आफ इंडिया यानी पीएफआइ है। इसके बाद 2018 में केरल पुलिस ने पीएफआइ पर प्रतिबंध लगाने की जरूरत जताई थी, किंतु केरल की वामपंथी सरकार ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि हम प्रतिबंधों में यकीन नहीं करते और इस संगठन से राजनीतिक तौर पर लड़ेंगे। यह बात और है कि अब तक यह पता नहीं चल सका कि केरल सरकार उससे कैसे लड़ रही है पीएफआइ तब देश भर में चर्चा में आया था, जब 2010 में उसके लोगों ने केरल के एक प्रोफेसर टीजे जोसेफ पर ईशनिंदा का आरोप लगाकर उनकी हथेली काट दी थी। केरल पीएफआइ का गढ़ है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उसने देश के अन्य राज्यों में जड़ें जमा ली है। उसके क्रियाकलाप वैसे ही है, जैसे सिमी के थे। वह करीब 20 राज्यों में सक्रिय है। केरल से लेकर असम तक की घटनाएं यही बताती है कि पीएफआइ के कई सहयोगी संगठन भी उसके मकसद को पूरा करने में दिन रात लगे हुए हैं। इनमें उसकी छात्र शाखा कैंपस फ्रंट आफ इंडिया प्रमुख है। कर्नाटक में हिजाब विवाद के भड़काने के पीछे कैंपस फ्रंट आफ इंडिया का नाम बार-बार आ रहा है। यह देश का दुर्भाग्य है कि ऐसे संगठन को इस देश के अधिकतर कथित सेक्युलर दलों का सहयोग मिल रहा है। दिल्ली के कुख्यात शाहीन बाग धरने के पीछे पीएफआइ का ही हाथ था और यह किसी से

छिपा नहीं कि कांग्रेस सहित कई दलों के नेता शाहीन बाग में धरने पर बैठे लोगों को समर्थन देने गए थे। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार शाहीन बाग धरने के दौरान पीएफआइ के खातों में 120 करोड़ रुपये जमा हुए और फिर वहां से प्रदर्शनकारियों के खातों में ट्रांसफर किए गए। केरल में गठित पीएफआइ का मुख्यालय अब शाहीन बाग, दिल्ली में ही है।

विश्व टीकाकरण सप्ताह के दौरान बच्चों के स्वास्थ्य की दिशा में क्या किया जाना चाहिए

विश्व टीकाकरण सप्ताह मनाने का उत्साह इस साल चारों ओर दिखाई दे रहा है। इसका मुख्य कारण बीते दो वर्षों में सबसे अधिक फोकस कोविड महामारी के संक्रमण की रोकथाम पर था। लेकिन अब बाल टीकाकरण पर फिर से फोकस करने का समय आ गया है। अर्थात टीकाकरण की गति को तेज करना है और जो इससे वंचित रह गए, उन तक पहुंचना है। इस संदर्भ में यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि अब दुनिया में 25 से अधिक बीमारियों के लिए प्रभावशाली और सुरक्षित टीके उपलब्ध हैं। बीते 20 वर्षों में एक अरब से अधिक बच्चों का टीकाकरण हुआ है। जब से टीका बना है, तब से इसने जितनी जिंदगियां बचाई हैं, उनकी संख्या चिकित्सा नवाचारों के जरिए बचाई गई जिंदगियों से अधिक है, यह महान उपलब्धि कही जा सकती है। विश्व में 80 प्रतिशत से अधिक बच्चे जीवन रक्षक वैक्सीन लेते है, परंतु दो करोड़ 30 लाख ऐसे बच्चे हैं, जो वैक्सीन नहीं लगवा पाते। ऐसे अधिकांश बच्चे संघर्षरत क्षेत्रों, गरीब बस्तियों और दूर-दराज इलाकों में रहते हैं। गौरतलब है कि दुनियाभर में बच्चों की जिंदगी और उनके भविष्य को बचाने व स्वस्थ और सुरक्षित समुदायों के निर्माण के वास्ते टीकाकरण सबसे प्रभावी व किफायती तरीकों में से एक है। इस साल लोगों को टीकों के महत्व के बारे में बताने के लिए बाल अधिकारों के लिए काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था यूनिसेफ (यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रंस इमरजेंसी फंड) जो दुनिया के 45 प्रतिशत बच्चों के टीकाकरण के लिए जिम्मेदार है, उसने एक धन्यवाद पत्र जारी किया है। इस धन्यवाद पत्र में टीकों की खोज करने वाले विषाणु विज्ञानियों और इनके निर्माण स्थलों में काम करने वाले कर्मचारियों समेत इनकी ढुलाई में संलगन लोगों का आभार व्यक्त कर यह संदेश देने की कोशिश की है कि टीकाकरण की इस महायात्रा में हरेक का योगदान महत्वपूर्ण है। दरअसल टीकाकरण उच्च संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए जरूरी है और ऐसे रोग शिशुओं व किशोरों की जिंदगी को जोखिम में डाल सकते हैं, क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता उस समय तक पूरी विकसित नहीं हुई होती। विश्व टीकाकरण सप्ताह का उद्देश्य विश्वभर में जिन रोगों की टीकाकरण से रोकथाम संभव है, उसके बारे में आम जन को बताना और ऐसे टीकाकरण की दर में वृद्धि करना है। उल्लेखनीय है कि इसका आयोजन वर्ष 2012 से किया जा रहा है और इसकी उपलब्धियां भी दुनिया ने देखी हैं। इस कारण विश्व में टीकाकरण दर में वृद्धि हुई, लेकिन बीते दो वर्षों में कोविड महामारी के कारण टीकाकरण भी काफी हद तक प्रभावित हुआ। एक अनुमान है कि इस दरम्यान दुनियाभर में एक साल से कम आयु के करीब दो करोड़ 30 लाख बच्चे मूलभूत टीके नहीं लगवा सके। जहां तक भारत का सवाल है, इस संदर्भ में विश्व स्वास्थ्य संगठन व यूनिसेफ के एक अध्ययन (2020-2021) के मुताबिक करीब 32 लाख बच्चे नियमित टीकाकरण सेवाओं के तहत लगने वाले मूलभूत टीके लगवाने से छूट गए। भारत को बाल टीकाकरण का लंबा अनुभव है और उसके पास एक विजन भी है। इसी के मद्देनजर भारत सरकार के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय ने मार्च-अप्रैल 2020 में राज्य सरकारों को कोविड महामारी के कड़े प्रोटोकाल का पालन करते हुए टीकाकरण सेवाओं को फिर से शुरू करने बाबत दिशानिर्देश जारी किए। देश में हर साल सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत लगभग तीन करोड़ गर्भवती महिलाओं व लगभग इतने ही नवजातों को टीके लगाए जाते हैं। भारत सरकार ने टीकाकरण की दर को गति देने के लिए 25 दिसंबर 2014 को मिशन इंद्रधनुष नामक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की और इसके अंतर्गत टीकाकरण की दर में भी वृद्धि हुई। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि देश में 12-23 माह के बच्चों के पूर्ण टीकाकरण की राष्ट्रीय औसत दर 62 प्रतिशत से बढ़कर 76 प्रतिशत हो गई है। सात फरवरी 2022 को मिशन इंद्रधनुष 4.0 लांच हुआ। इसके तहत लक्ष्य हर गर्भवती महिला व शिशु का टीकाकरण करना है। फोकस ऐसे शिशुओं पर भी है जिन्हें नियमित टीकाकरण के तहत एक भी टीका नहीं लगा है यानी जिन्हें डिप्थीरिया, टेटनेस व काली खांसी वाली वैक्सीन की पहली खुराक भी नहीं दी गई है। ऐसे 'जीरो डोजड बच्चों की जान खतरे में पड़ सकती है। ये बच्चे प्रायः वंचित तबकों से आते हैं, जिनमें ग्रामीण घर, सबसे गरीब परिवार, हाशिए पर रहने वाले समूह और कम शिक्षित महिलाएं शमिल हैं। मिशन इंद्रधनुष 4.0 की प्राथमिकता ऐसे बच्चों की पहचान करना व उनके टीकाकरण को प्राथमिकता देना है। ऐसे बच्चों को सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत सभी टीके लगे, यह सुनिश्चित करना भी लक्ष्य है। टीकाकरण हर बच्चे का अधिकार है और हर बच्चे तक इसकी पहुंच होनी चाहिए। बाल अधिकार कन्वेंशन इस बात की वकालत करती है कि सभी बच्चों की पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाओं तक एक समान पहुंच होनी चाहिए, हर बच्चे के पास वैक्सीन से रोकथाम वाले रोगों से संरक्षण का बुनियादी अधिकार है।

संक्षिप्त समाचार

प्रियंका गांधी से 2 करोड़ की पेंटिंग खरीदने को किया गया था मजबूर

मुंबई। यस बैंक के प्रमोटर राणा कपूर ने गांधी परिवार को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मनी लांड्रिंग के एक मामले में विशेष अदालत में दाखिल आरोप पत्र के मुताबिक यस बैंक के सह संस्थापक राणा कपूर ने केंद्रीय एजेंसी को बताया कि उन्हें कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा से एम एफ हुसैन की पेंटिंग खरीदने के लिए 'मजबूर' किया गया। इस तस्वीर से प्राप्त राशि का उपयोग गांधी परिवार ने सोनिया गांधी का न्यूयॉर्क में उपचार कराने के लिए किया। मुंबई की एक विशेष अदालत में दाखिल आरोपपत्र के अनुसार, कपूर ने ईडी को सूचित किया कि उन्हें तत्कालीन पेट्रोलियम मंत्री मुरली देवड़ा ने पेंटिंग खरीदने के लिए मजबूर किया था।ईडी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार देवड़ा ने यस बैंक के प्रमोटर को बताया था कि पेंटिंग की बिक्री की आय का उपयोग पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के इलाज में किया गया था। बता दें कि मुरली देवड़ा ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में पेट्रोलियम मंत्री का पद संभाला था।एजेंसी द्वारा दायर चार्जशीट में कहा गया है कि कांग्रेस नेता ने एमएफ हुसैन पेंटिंग की खरीद के बदले में कपूर को कई लालच भी दिए थे। कपूर ने ईडी को बताया कि उन्हें इसके बदले में पद्म भूषण पुरस्कार और अधिक व्यवसाय देने का भी वादा किया गया था। राणा ने यह भी आरोप लगाया कि पेंटिंग मामले में कांग्रेस नेता अहमद पटेल ने भी बात की थी और दबाव बनाने की कोशिश की थी।

सनातन हिन्दू धर्म को टुकड़ो में बांटने की राजनीति पर धर्मगुरु लगवाए विरामः- नारायण त्रिपाठी

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर ।इनदिनों तमाम राजनैतिक गलियारों में विरोध का एक नया तरीका देखने को मिल रहा है लोग रातोरात गली चौराहों में शंकर

भगवान हनुमान जी की स्थापना कर देखा जा रहा है कि हनुमान चालीसा का पाठ,सुन्दरकाण्ड का पाठ,कोई राजनैतिक गैर राजनीतिक विरोध करेगा तो हनुमान चालीसा सुन्दरकाण्ड का पाठ,आखिर राजनीति में निज स्वार्थ के लिए धर्म का ऐसा उपहास क्यो? क्या अब राजनीति में सामाजिक सरोकारों से वास्ता नही रहा,देशहित जनहित में किये जाने वाले कायौ में भरोषा नही रहा,क्या अब धर्म ही राजनीति का जरिया बन गय वास्तव में राजनीति अपने आप मे बहुत बड़ा धर्म है ऐसे में धर्म का इस तरह दुष्प्रचार किया जाना ठीक नही। हमारा हिन्दू धर्म सनातन का धर्म है हमारे पूर्वज हमारे धर्मावलंबी कहते थे कि भोजन भजन खजाना नारी,ये चारों पर्दा के अधिकारी हमारे जो मंत्र है पूजा की जो पद्धति है दान की जो प्रक्रिया है उसके भी कायदे है हमारी जो पूजा पाठ दान पुण्य की जो प्रक्रिया है उसकी एक गोपनीयता होती है इन्हें सार्वजनिक नही किया जाना चाहिए। आज जिस तरह से राजनैतिक स्वार्थो के लिए जिस तरह से सनातन धर्म का मजाक उड़ाया जा रहा है बेहद चिंतनीय है। इसलिए सनातन हिन्दू धर्म के तमाम धर्म गुरुओं से,कथा वाचको से मेरी प्रार्थना है कि अपने उद्बुद्धनो के माध्यम से ऐसे राजनीतिकारो को सद्बुद्धि प्रदान कर सनातन को उपहास बनने से रोकने का कार्य अवश्य करें। हमारे हर पूजा पाठ का एक संकल्प होता है उस स्थान को धर्मानुसार पहले पवित्र किया जाता है किस जगह पर पूजा हो सकती है कौन पूजा कर सकता है पूजा वाले स्थान में किस तरह से भगवान की स्थापना की जाएगी यह सब पूर्व से निर्धारित है। इसलिए धर्म का राजनीतिकरण न हो वैसे भी हमारा हिन्दू धर्म कई टुकड़ो में बंटा है हम तो महाकवि तुलसीदास जी का आभार प्रकट करते है जिन्होंने भगवान के वनवासी स्वरूप विंध्य के सतना जिले में स्थापित चित्रकूट में महाग्रंथ रामचरित मानष का लेखकर वैष्णव व शिव सम्प्रदाय को एक सूत्रपात में बांधने का कार्य किया वरना ये दोनों सम्प्रदाय सदियों तक यह लड़ाई लड़ते रहते। जिस तरह से महाकवि तुलसीदास जी ने दोनों सम्प्रदायो को एक माला में पिरोने का कार्य किया ठीक उसी तरह हमारे धर्म गुरु धर्म को राजनीति से अलग करने का कार्य करे। जिससे महान सनातनी हिन्दू धर्म का गुणगान होता रहा है और होता रहे उपहास न बने। आज का जो राजनैतिक परिवेश है जिस प्रकार की राजनीति चल रही है यह एकबार फिर सनातनी हिन्दू धर्म को टुकड़े टुकड़े में बाटने की अग्रसर हो रही है ऐसी राजनीति में विराम लगना चाहिए वोट के लिए धर्म की राजनीति बन्द होनी चाहिए। धर्म के नाम पर ढोंग और आडंबर करने वालो के खिलाफ धर्म गुरुओं की जिमेवारी बनती है कि इन्हें सही रास्ते मे लाने का कार्य करे। राजनीति अपने आप मे ही एक बड़ा धर्म है जिसका कर्मठता के साथ देशहित जनहित,समाजहित,क्षेत्रहित में प्रयोग करे जनता जनार्दन सरमाथे में बिठा कर रखेगी ऐसे आडम्बरो ढोंगो की जरूरत ही राजनीति में नही पड़ेगी।

महिला ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर 20 थानाक्षेत्र के निठारी गांव में एक महिला ने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मृतका के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। बताया जा रहा है कि मृतका का पति के साथ विवाद हुआ था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि सेक्टर 31 स्थित निठारी गांव में उल्टी नाम की महिला परिवार के साथ रहती थी। महिला ने शुक्रवार को घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय महिला का पति घर पर नहीं था। मृतका के मकान मालिक ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जांच में पता चला है कि पति-पतने के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। आशंका है कि इसी के चलते महिला ने आत्महत्या की है। हालांकि, पुलिस अपने स्तर पर मामले की जांच कर रही है। वहीं, थाना फेस-1 क्षेत्र के सेक्टर-9 में रहने वाली प्रियंका नाम की एक युवती ने मानसिक तनाव के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। यहां से उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान युवती की मौत हो गई।

हुबली हिंसा मामले में एक और नेता गिरफ्तार, भीड़ ने पुलिस स्टेशन पर की थी पत्थरबाजा

हुबली। कर्नाटक के ओल्ड हुबली पुलिस स्टेशन पर पत्थरबाजी मामले में पुलिस ने एआईएमआईएम नेता व पार्षद को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि हुबली-धारवाड़ नगर निगम पार्षद नजीर अहमद होनवाल को शनिवार रात गिरफ्तार किया गया। इससे पहले भी पुलिस ने इसी मामले में एआईएमआईएम पार्षद हुसैनबी नलवतवाड़ के पति इरफान नलवतवाड़ को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि 22 अप्रैल तक पुलिस ने 12 मामले दर्ज किए जिनमें से अब तक 134 गिरफ्तारियां की जा चुकी हैं। दरअसल, मामला यह है कि भीड़ ने कथित तौर पर 16 अप्रैल को एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर हंगामा खड़ा कर दिया था। भीड़ ने अचानक हिंसक रूप लेते हुए पुलिस वाहनों, एक अस्पताल और एक हनुमान मंदिर को क्षतिग्रस्त कर दिया था। पथराव की वजह से एक इंस्पेक्टर समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। भीड़ को तितर-बितर करने के प्रयास में पुलिस ने लाठीचार्ज किया लेकिन भीड़ निडर हो गई तो पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और फिर जाकर भीड़ तितर-बितर हो गई। प्रदर्शन कर रहे लोगों की मांग थी कि आपत्तिजनक व्हाट्सएप स्टेटस पोस्ट करने वाले व्यक्ति पर कार्रवाई की जाए।

आइपीएस की सीएपीएफ में एसएसपी रैंक पर प्रतिनियुक्ति पर विचार कर रहा केंद्र बीएसएफ ने भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस) के अधिकारियों की केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में कमांडेंट्स या वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रैंक पर प्रतिनियुक्ति की पुरानी व्यवस्था फिर शुरू करने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। वर्तमान नीति के

मुताबिक, आइपीएस अधिकारी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) , भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) जैसे सीएपीएफ में कमांडेंट पदनाम से एक रैंक ऊपर उपमहानिरीक्षक (डीआइजी) रैंक पर शामिल हो सकते हैं। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) में आइपीएस अधिकारी कमांडेंट या एसएसपी रैंक पर काम कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल, भारत तिब्बत सीमा पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में भी आइपीएस अधिकारी कमांडेंट रैंक पर प्रतिनियुक्ति पर आते थे, लेकिन प्रतिनियुक्ति पूल के अभाव समेत विभिन्न कारणों से पिछले कुछ दशक पहले इस व्यवस्था को खत्म कर दिया गया था। ताजा पहल सीमा सुरक्षा बल की ओर से हुई है। उसने इस महीने की शुरुआत में गृह मंत्रालय को एक प्रस्ताव भेजा था जिसमें सीएपीएफ के भर्ती नियमों में संशोधन की मांग की गई है ताकि सीएपीएफ में कमांडेंट रैंक पर आइपीएस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति का प्रविधान किया जा सके। सीएपीएफ कैडर के अधिकारियों का कहना है कि अगर गृह मंत्रालय ने यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया तो उन्हें डर है कि उनकी पहले से ही विलंबित और रुकी हुई प्रोनन्तियां और अधर में लटक जाएंगी और मजबूरन उन्हें स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेनी होगी। बीएसएफ कैडर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह प्रस्ताव लागू होने पर वषी से चल रहे विभिन्न अन्य मामलों के साथ कई और मुकदमे जुड़ जाएंगे। ये मामले उनकी प्रोनन्तियों में लंबे विलंब और लाभ प्रदान करने से जुड़े हैं। सीएपीएफ में कार्यरत एक वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी ने कहा, 'वर्तमान में कुछ बल आइपीएस अधिकारियों को कमांडेंट रैंक पर ले रहे हैं और कुछ नहीं। सभी सीएपीएफ गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करते हैं इसलिए एकसमान नीति अपनाने की जरूरत है।'

अभिभूत हुए पीएम मोदी, कहा- दीदी ने सभी भाषाओं में गाकर पूरे देश को एक सुर में पिरोने का किया काम

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पहला लता दीनानाथ मंगेशकर सम्मान पाकर अभिभूत नजर आए। पीएम मोदी ने उषा मंगेशकर, आशा भोंसले, महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, महाराष्ट्र में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस सहित अन्य की उपस्थिति में पुरस्कार प्राप्त

किया। उन्होंने अपना यह सम्मान देश को समर्पित करते हुए कहा कि आज देश एक भारत- श्रेष्ठ भारत की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है, और लता जी ने सभी भाषाओं में गाकर पूरे देश को एक सुर में पिरोने का काम किया है। इस अवसर पर भावुक पीएम मोदी ने कहा कि लता दीदी से मेरा परिचय करीब चार साढ़े चार दशक पहले सुधीर फड़के जी ने कराया था। तब से उनका अपार सन्ह मेरे जीवन का हिस्सा बन गया। मुझे ये कहते हुए गर्व महसूस होता है कि वो मेरी बड़ी बहन थीं। पीढियों को प्रेम और भावना का उपहार देने वाली लता दीदी से मुझे हमेशा बड़ी बहन का प्यार मिलता रहा। मोदी ने भावुक होते हुए कहा कि बहुत वर्षो बाद यह पहला राखी का त्यौहार आएगा, जब लता दीदी नहीं होंगी। उनके नाम से दिया जानेवाला यह पहला सम्मान मैं देश को समर्पित करता हूं। यह सम्मान जन-जन का है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं संगीत जैसे गहन विषय का जानकार तो नहीं हूं, लेकिन सांस्कृतिक बोध से मैं ये महसूस करता हूँ कि संगीत एक साधना भी है, और भावना भी। संगीत आपको राष्ट्रभक्ति और कर्तव्य बोध के शिखर तक पहुंचा सकता है। हम सब सौभाग्यशाली है कि हमने संगीत की इस शक्ति लता दीदी के रूप में साक्षात देखा है। हमें अपने आंखों से उनके दर्शन करने का सौभाग्य मिला है। मुझे गर्व होता है कि लता दीदी मेरी बड़ी बहन थीं। मोदी ने लता मंगेशकर के ही शब्दों को याद करते हुए कहा कि वह कहती थीं कि व्यक्ति अपनी उम्र से नहीं, कार्य से बड़ा होता है। वह तो उम्र से भी बड़ी थीं, और कर्म से भी बड़ी थीं। उन्होंने संगीत में वह स्थान प्राप्त किया कि लोग उन्हें मां सरस्वती का अवतार मानते थे। प्रधानमंत्री ने लता मंगेशकर के पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर की देशभक्ति को याद करते हुए कहा कि मंगेशकर परिवार के प्रेरणा स्रोत दीनानाथ मंगेशकर जी थे, जिन्होंने अंग्रेज वायसराय के सामने वीर सावरकर का लिखा गीत गाया। इसलिए देशभक्ति तो दीनानाथ मंगेशकर जी ने अपने परिवार को विरासत में दी है। पीएम ने कहा कि उन्होंने देश की 30 से ज्यादा भाषाओं में हजारों गीत गाये। हिन्दी हो मराठी, संस्कृत हो या दूसरी भारतीय भाषाएं, लताजी का स्वर वैसा ही हर भाषा में घुला हुआ है संस्कृति से लेकर आस्था तक, पूरब से लेकर पश्चिम तक, उत्तर से दक्षिण तक, लता जी के सुरों के पूरे देश को एक सूत्र में पिरोने का काम किया। दुनिया में भी वो हमारे भारत की सांस्कृतिक राजदूत थीं। इस अवसर पर धन्यवाद ज्ञापन करते हुए लता मंगेशकर की छोटी बहन आशा भोसले ने अपने बचपन की एक घटना सुनाते हुए कहा कि एक बार लता दीदी ने हमसे कहा कि जो व्यक्ति माता-पिता के चरण धोकर पीता है, वह बड़ा बनता है। इसलिए एक दिन हम दोनों ने अपने सोते हुए माता-पिता के पैरों पर पानी डालकर उसे पिया। जिसका परिणाम आज सबके सामने है। मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान चैरिटेबल ट्रस्ट ने एक बयान में कहा है कि यह पुरस्कार हर साल उस व्यक्ति को दिया जाएगा जिसने हमारे देश, उसके लोगों और हमारे समाज के लिए पथप्रदर्शक, शानदार और अनुकरणीय योगदान दिया है।

देश में बढ़ा कोरोना का खतरा; दिल्ली में 1083 नए केस, मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे पीएम मोदी- लोगों से की अपील

नई दिल्ली। देश में कोविड संक्रमण का बढ़ना पिछले कुछ दिनों से लगातार जारी है। एक दिन में कोविड के 2,593 नए मामले सामने आए। इससे सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 15,873 हो गई। कोरोना के बढ़ते खतरे को देखते हुए सरकार भी सतर्क हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को मुख्यमंत्रियों के साथ इस मसले पर एक बैठक करेंगे। यह बैठक वीडियो कांफ्रेंस के जरिये होगी। प्रधानमंत्री मोदी कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए पहले भी कई बैठकें कर चुके हैं। पीएम मोदी ने कहा कि सभी त्योहार संयम, पवित्रता, दान और सद्भाव की शिक्षा देते हैं। इन पर्वों को खूब उल्लास और सौहार्द के साथ मनाइए लेकिन कोरोना महामारी को देखते हुए सभी को सतर्क भी रहना है। कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाएं, नियमित अंतराल पर हाथ धोते रहें। इसके अलावा जो भी जरुरी उपाय हैं आप उनका पालन करते रहें। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को अपने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि आने वाले दिनों में अक्षय तृतीया, ईद, भगवान परशुराम की जयंती और वैशाख बुद्ध पूर्णिमा जैसे पर्व हैं। ऐसे में बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए सतर्क रहने की जरूरत है। पीएम मोदी ने देशवासियों से सतर्क रहने, मास्क पहनने, उचित दूरी का पालन करने और लगातार हाथ धोने रहने जैसे उपायों का पालन करने की अपील की। इस बीच आइआइटी मद्रास में कोरोना मरीजों की संख्या रविवार को बढ़कर 60 हो गई। इससे एक दिन पहले संस्थान में संक्रमितों की संख्या 55 थी। तमिलनाडु के स्वास्थ्य विभाग ने जिला अधिकारियों से कोविड-19 संक्रमण को नियंत्रित करने के प्रयासों में ढिलाई नहीं बरतने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन सोमवार को सभी जिला कलेक्टरों और जिला स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

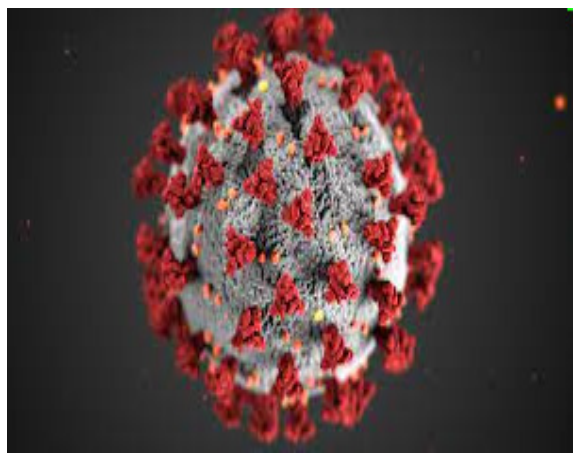

समाचार एजेंसी पीटीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक देश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे। आधिकारिक सूत्रों की मानें तो केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण हालात पर प्रजेंटेशन देंगे। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार सुबह आठ बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार, देश में एक दिन में 44 और मरीजों की मौत हो गई। सक्रिय मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.04 प्रतिशत है। कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.75 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के सक्रिय मामलों की संख्या में 794 की वृद्धि दर्ज की गई है। देश में संक्रमण की दैनिक दर 0.59 प्रतिशत दर्ज की गई और साप्ताहिक संक्रमण दर 0.54 प्रतिशत दर्ज की गई। कोविड के चलते मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत है। देशव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक 187.67 करोड़ से अधिक डोज दी जा चुकी हैं। समाचार एजेंसी पीटीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक दिल?ली में कोरोना की रफ्तार में तेजी देखी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार दिल्ली में रविवार को कोरोना संक्रमण के 1,083 मामले सामने आए। 10 फरवरी के बाद से कोरोना के मामलों में यह सबसे बड़ा दैनिक उछाल है। यही नहीं बीते 24 घंटे में संक्रमण से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। इसके साथ ही दिल?ली में पाजीटिविटी रेट 4.48 प्रतिशत हो गई है। दिल?ली में अब तक कोरोना के 18,74,876 मामले सामने आए हैं जबकि 26,168 लोगों की मौत हुई है।

रूसी हेलीकाप्टरों के बेड़े को इजरायली स्पाइक मिसाइलों से लैस कर रही वायुसेना

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध में एंटी-टैंक मिसाइलों की अहम भूमिका को देखते हुए भारतीय वायुसेना अपने रूसी हेलीकाप्टरों के बेड़े को इजरायली स्पाइक नान-लाइन आफ साइट (एनएलओएस) एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों (एटीजीएम) से लैस कर रही है। यह मिसाइल 30 किलोमीटर की दूरी तक दुश्मन के टैंकों को निशाना बना सकती है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि इजरायली स्पाइक एनएलओएस एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों से रूसी एमआइ-17वी5 हेलीकाप्टरों को लैस किया जा रहा है जो संघर्ष के समय दुश्मन की बख्तरबंद टुकड़ियों के खिलाफ बेहद प्रभावशाली साबित हो सकती है। रिपोर्टों के मुताबिक, रूस के खिलाफ जारी युद्ध में यूक्रेन ने पश्चिमी यूरोपीय देशों और अमेरिका द्वारा दी गईं एंटी-टैंक और एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइलों का रूस की बख्तरबंद टुकड़ियों के खिलाफ प्रभावी इस्तेमाल किया है।भारतीय वायुसेना ने इन मिसाइलों में करीब दो साल पहले दिलचस्पी दिखाना शुरू किया था जब चीनी सेना ने पूर्वी लद्दाख सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के नजदीक बड़ी संख्या में टैंकों और युद्धक वाहनों को तैनात किया था।

वेरल में आरएसएस कार्यकर्ता की हत्या मामले में दो और लोग गिरफ्तार

तिरुअनंतपुरम। केरल के पलक्कड जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कार्यकर्ता एसके श्रीनिवासन की हत्या मामले में पुलिस ने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी आफ इंडिया (एसडीपीआइ) के दो और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार आरोपितों की संख्या नौ हो गई है। 16 अप्रैल को श्रीनिवासन की तलवारों और चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई थी। एडीजीपी (कानून व्यवस्था) विजय सखारे ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दो आरोपितों में से एक श्रीनिवासन पर हमले में सीधे तौर पर शामिल था। उन्होंने कहा कि पुलिस ने श्रीनिवासन की हत्या में शामिल सभी आरोपितों की पहचान कर ली है। जल्द ही और गिरफ्तारियां होंगी। सखारे ने कहा कि लगभग 14-15 लोग साजिश का हिस्सा थे। उन्होंने शुरू में आरएसएस के दो अन्य कार्यकर्ताओं को भी मारने का प्रयास किया। हालांकि उन्होंने उन दो आरएसएस नेताओं के नामों की जानकारी नहीं दी। अधिकारी ने बताया कि चूंकि श्रीनिवासन कुछ समय के लिए पार्टी के काम या राजनीति में सक्रिय रूप से शामिल नहीं थे, इसलिए उन्हें शायद अपने जीवन के लिए कोई खतरा नहीं था और यही कारण था कि वह आरएसएस के अन्य दो नेताओं की तरह छिपकर नहीं गए थे। वहीं पुलिस ने कहा कि श्रीनिवासन मामले में जितने भी गिरफ्तार किए गए लोग हैं, उनमें से ज्यादातर आरोपी पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआई) और उसकी राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी आफ इंडिया (एसडीपीआई) के कार्यकर्ता है। श्रीनिवासन की हत्या से एक दिन पहले एसडीपीआइ के एक कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में आरएसएस के तीन कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। पिछले साल नवंबर में भी इसी इलाके में एक अन्य आरएसएस कार्यकर्ता संजीत की हत्या कर दी गई थी। संजीत की हत्या का आरोप एसडीपीआइ पर है। केरल में पिछले कुछ महीनों में बीजेपी/आरएसएस और एसडीपीआई/पीएफआई से जुड़ी ऐसी घटनाएं तेजी से सामने आ रही है।

यूक्रेन में फंसे वंदे भारत ट्रेनों के पहिये रोमानिया पहुंचे, एयरलिफ्ट करके भारत लाया जाएगा

नई दिल्ली। भारत ने वंदे भारत ट्रेनों के लिए 36000 पहियों के सेट को आयात करने के लिए यूक्रेन की कंपनी को आर्डर दिया था। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से इनकी आपूर्ति पटरी से उतरती दिख रही है। इस बीच सूत्रों के अनुसार ट्रेन के 128 पहियों को सड़क मार्ग से रोमानिया लाया गया है। अब यहां से रेलवे द्वारा इन पहियों को एयरलिफ्ट कर भारत लाया जाएगा। पहियों को यूक्रेन के काला सागर पोत से महाराष्ट्र के जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) में भेजने की योजना थी, लेकिन युद्ध के कारण ऐसा नहीं हो सका। एक सूत्र ने कहा, रेल मंत्रालय और

विदेश मंत्रालय के प्रयासों से दो ट्रेनों के परीक्षण के लिए आवश्यक 128 पहियों को यूक्रेन के नीप्रोपेत्रोव्स्क में पहिया कारखाने से ट्रकों पर सड़क मार्ग से रोमानिया भेजा गया । इस साल के अंत तक देश भर के प्रमुख मागरें पर 75 सेमी-हाई स्पीड ट्रेनों को सेवा शुरू करने की योजना है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत ने अब चेक गणराज्य, पोलैंड और अमेरिका को पहियों के आर्डर दिए हैं।

कपिल शर्मा ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के बंगले को बताया व्हाइट हाउस, कहा 'आपको प्रेसिडेंट वाली फीलिंग नहीं आती'

नई दिल्ली। अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी बॉलीवुड में अपने अभिनय के साथ ही साथ अपने स्ट्रगल के लिए भी जाने जाते हैं। अपनी मेहनत और लगन के दम पर वह

आज फिल्म इंडस्ट्री का जाना माना नाम है। हाल ही में एक्टर ने एक और एचीवमेंट हासिल की, जब उन्होंने मुंबई के पॉश एरिया में एक शानदार बंगला खरीदा। उनके इस नए आशियाने की चर्चा पूरे मीडिया जगत में हुई। अब कॉमेडियन कपिल शर्मा ने भी नवाज से उनके व्हाइट हाउस को लेकर कुछ सवाल पूछे, लेकिन ये सवाल इतने मजेदार है कि नवाज को भी समझ नहीं आया कि क्या जवाब दिया जाए। दरअसल, कपिल शर्मा के शो पर फिल्म 'हीरोपंती' की टीम प्रामोशन के लिए पहुंची। जिनमें टाइगर श्रॉफ, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, तारा सुतारिया, फिल्म निर्माता अहमद खान और सिंगर कंपोजर एआर रहमान शामिल हैं। इस अपकमिंग एपिसोड के कुछ वीडियो मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए हैं। जो खूब वायरल हो रहे हैं। आगामी एपिसोड से साझा किए गए एक प्रोमो क्लिप में, कपिल, नवाज से उनके व्हाइट हाउस को लेकर पूछते दिख रहे हैं कि क्या उन्हें घर के अंदर बैठकर प्रेसिडेंट की फीलिंग नहीं आती कपिल ने कहा, नवाजुद्दीन भाई ने हाल ही में कमाल का बंगला बनाया है, पूरा सफेद रंग का हमने देखा भाई। व्हाइट हाउस। कभी जब अंदर बैठे होते हो घर के तो फीलिंग नहीं आती कि अपुन ही प्रेसिडेंट है। कपिल का यह सवाल सुनकर नवाज हंसने पड़ते हैं।

शादी के बंधन में बंधी इंडियन आइडल 12 फेम सायली कांबले, पति संग सिंगर की वायरल हुई खूबसूरत तस्वीरें

नई दिल्ली। सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल 12 फेम सायली कांबले शादी के बंधन में बंध गई हैं। उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड धवल से शादी की है। सायली कांबले और धवन की शादी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर

जमकर वायरल हो रही है। उन्होंने ठाणे के कल्याण में एक-दूसरे संग साथ फेरे लिए हैं। सायली कांबले और धवन की शादी में करीबी रिश्तेदार और दोस्त मौजूद थे। इन दोनों की शादी की तस्वीरों को इंडियन आइडल के कंटेस्टेंट निहाल टौरो ने सोशल मीडिया पर शेयर की है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर सायली कांबले और धवन की शादी की कई तस्वीरों को शेयर किया है, जिसमें दोनों काफी खूबसूरत दिख रहे हैं। तस्वीरों में सायली कांबले मराठी दुल्हन के लुक में नजर आ रही है। उन्होंने यलो कलर की साड़ी पहनी हुई है। वायरल हो रही तस्वीरों में सायली कांबले हंसती हुई दिखाई दे रही हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में वह पति धवल के साथ मंडप में बैठी नजर आ रही है। बाकि अन्य तस्वीरों में भी सायली कांबले और धवन काफी खूबसूरत दिख रहे हैं। गौरतलब है कि सायली कांबले और धवन की शादी में इंडियन आइडल के कई कंटेस्टेंट्स पहुंचे थे। निहाल टौरो के अलावा शादी में अरुणिता कांजीलाल, पवनदीप राजन और मोहम्मद दानिश भी शादी में शामिल हुए। आपको बता दें कि सायली कांबले इन दिनों सुपरस्टार सिंगर 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं। और इसके साथ ही उन्होंने अपनी शादी की तैयारियों भी कीं।

इसलिए अपनी डेब्यू फिल्म 'फूल और कांटे' का रीमेक बनाना चाहते हैं: अजय देवगन बताई ये वजह

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन, अमिताभ बच्चन और रकुल प्रीत सिंह अभिनीत फिल्म रनवे 34 इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। रिलीज डेट के पास आते ही निर्माताओं ने फिल्म का काफी जोर-शोर से

प्रमोशन शुरू कर दिया है। अजय देवगन ने फिल्म का प्रमोशन के दौरान एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि वो अपनी डेब्यू फिल्म फूल और कांटे का रीमेक बनाना चाहते हैं। इंडिया टु डे की रिपोर्ट के अनुसार अजय देवगन ने कहा, मैं पीछे मुड कर नहीं देखता और मेरे पास इतना वक्त भी नहीं है। मुझे लगता है कि जिस वक्त आप पीछे मुडकर देखते हैं, तब अब अपना वक्त बर्बाद कर रहे हैं और आगे नहीं देख रहे हैं। तो आप आगे भी देख सकते हैं क्योंकि वो चुनौतियां खत्म हो चुकी हैं और अब नई चुनौतियां आपके सामने हैं। मुझे अपना काम पसंद है। मेरे लिए काम स्ट्रेस बूस्टर की तरह है, अगर मुझे व्यक्तिगत तनाव या कोई ऐसी बात है, जो मुझे परेशान कर रही है। तो मैं काम के दौरान उसको भूल जाता हूं। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने फूल और कांटे के रीमेक के बारे में बात करते हुए कहा, मैंने फूल और कांटे का रीमेक बनाने के बारे में सोचा है। मेरा मतलब उसके वर्जन को बदलना है। लेकिन ऐसी फिल्म जिसको हमेशा नए एक्टर की हो, ना की किसी स्थापित (अभिनेता) व्यक्ति की जरूरत हो। अगर मैं उस दिशा कुछ भी काम करता हूं, तो वो किसी नए व्यक्ति और नई प्रतिभा के साथ ही करूंगा। आपको बात दें, अजय देवगन की इस फिल्म फूल और कांटे को इस साल नबंवर में 31 साल पूरे होने जा रहे है। कुकू कोहली के निर्देशन में बनी फिल्म फूल और कांटे से अजय देवगन ने अपने बॉलीवुड में मुख्य अभिनेता के रूप में डेब्यू किया था। इस फिल्म में उन्होंने अमरीश पुरी के बेटे का किरदार निभाया है। फिल्म में अपने प्रदर्शन के लिए अजय को बेस्ट डेब्यू अभिनेता का भी अवॉर्ड मिला था। वहीं, बात अगर उनकी फिल्म रनवे 34 की करें तो इस फिल्म की कहानी दोहा से कोच्चि जा रहे विमान में हुई सच्ची घटना से प्रेरित है। फिल्म में अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं। इनके अलावा फिल्म में अमिताभ बच्चन, बोमन ईरानी, कैरी मिनाती भी अहम भूमिका में नजर आने वाले है, जबकि अंगिरा धर एक वाकील का रोल प्ले करती दिखेंगी। तो आकांक्षा सिंह अजय की पतने का किरदार निभाती हुई नजर आएंगी। ये एक्शन ड्रामा फिल्म 29 अप्रैल, 2022 को ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर करेंगी बॉलीवुड में एंट्री डेब्यू को लेकर सामने आई ये खबर

नई दिल्ली। क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की लाडली सारा तेंदुलकर पॉप्यूलैरिटी के मामले में अपने पिता से कम नहीं है। अपनी खूबसूरती के कारण वह हमेशा लोगों का ध्यान खींचने में कामयाब होती हैं। फैंस के मामले में भी सारा काफी आगे है, सिर्फ

इंस्टाग्राम पर ही उन्हें एक मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। अब सारा से जुड़ी एक ताजा अपडेट आई है कि वह बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखने वाली हैं और जल्द ही डेब्यू करेंगी। सारा तेंदुलकर के फैंस लिए यह एक बड़ी खुशखबरी है कि अब वह सारा को सिल्वर स्क्रीन पर भी देख पाएंगे। वेबसाइट बॉलीवुड लाइफ की माने तो सारा के एक करीबी सूत्र ने बताया है कि वह बॉलीवुड में एंट्री करने की तैयारी कर रही हैं। सूत्र ने कहा, सारा जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू कर सकती हैं। उन्हें अभिनय में बहुत दिलचस्पी है और वह एक्टिंग क्लासेज भी ले रही है क्योंकि उन्होंने कुछ ब्रांड एंडोर्समेंट भी किए हैं। सारा ने लंदन यूनिवर्सिटी से मेडिकल की पढ़ाई की है। हालांकि सारा की दिलचस्पी ग्लैमर वर्ल्ड में अपना करियर बनाने में है। सूत्र ने आगे बताया, ठसारा जो अक्सर लाइम लाइट से दूर रहती है, अपनी एक्टिंग स्किल से दर्शकों को आश्चर्यचकित कर सकती है। वह बेहद प्रतिभाशाली है और उनके माता-पिता सारा को उनके हर फैसले में सपोर्ट करते हैं जो भी वो लेती हैं। वे उनका बेहद समर्थन करते हैं। सारा को लेकर कुछ समय पहले भी यह चर्चा हुई थी कि वह शाहिद कपूर के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। हालांकि, उस वक्त सचिन तेंदुलकर ने इन खबरों को खारिज कर दिया था और कहा था कि सारा फिलहाल अपनी पढ़ाई में व्यस्त है और उनका ऐसा कोई इरादा नहीं है।

'बालिका वधू' की आनंदी, अविका गौर अब फिल्मों में आएंगी नजर, विक्रम भट्ट के प्रोजेक्ट से बॉलीवुड में करेंगी डेब्यू

नई दिल्ली। टीवी शो 'बालिका वधू' में नन्हीं आनंदी का किरदार निभा कर घर-घर में नाम कमाने वाली अविका गौर अब जल्द ही

सिल्वर स्क्रीन पर छाने वाली है। 'बालिका वधू' के बाद अविका कई टीवी धारावाहिकों में काम कर चुकी हैं, लेकिन अब वह लंबी छलांग लगाना चाहती हैं और वह टीवी पर नहीं बल्कि सिनेमाघरों पर राज करना चाहती हैं। जिसके चलते एक्ट्रेस जल्द ही फिल्मों में डेब्यू करने वाली है, वह भी विक्रम भट्ट जैसे जाने-माने फिल्ममेकर के साथ अविका गौर हॉरर फिल्म '1920' की अगला कड़ी में एक्टिंग करती हुई नजर आएंगी। जिसका नाम '1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट' है। अविका इस फिल्म में लीड रोल में होगी। जिसे विक्रम भट्ट प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म की कहानी को महेश भट्ट ने लिखा है। वहीं उनकी बेटी कृष्णव भट्ट फिल्म को निर्देशित करेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म 2023 तक फ्लोर पर आएगी। फिल्म के लिए अविका जल्द ही टीम के साथ शूटिंग शुरू करेंगी। इस प्रोजेक्ट की जानकारी विक्रम भट्ट ने अपने सोशल मीडिया पेज पर पोस्ट शेयर कर दी है। उन्होंने एक तस्वीर शेयर की है जिसमें उनके साथ महेश भट्ट, अविका गौर और कृष्णव भट्ट नजर आ रहे हैं। फिल्ममेकर विक्रम भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म के बारे में जानकारी देते हुए लिखा, ठ1920 ने मेरे जीवन में एक नया अध्याय शुरू किया और अब 1920 में सेट की गई एक और कहानी के साथ बेहद प्रतिभाशाली अविका गौर और कृष्णव भट्ट की हिंदी फिल्मों के करियर में नई शुरुआत होगी। 1920- हॉरर्स ऑफ द हार्ट मेरे मैटॉर और गुरु महेश भट्ट द्वारा लिखी गई है। इस बार मैं निर्माता की भूमिका निभा रहा हूं। उभरते हुए नए टैलेंट्स का उत्साह बढ़ा रहा हूं। अविका गौर के बॉलीवुड डेब्यू की जानकारी सामने आने के बाद कई सेलेब्स उन्हें इस नए सफर के लिए बधाई दे रहे हैं। कॉमेडियन जाकिर हुसैन ने कमेंट करते हुए लिखा, 'बधाई हो अविका गौर।' वहीं एक्ट्रेस श्वेता रोहिरा ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा,'सभी को शुभकामनाएं।' इनके अलावा अविका के फैंस ने भी खुशी जताई और उन्हें विश किया।

रणवीर सिंह का फैशन सेंस देख लोगों का चकराया सिर, ट्रोल कर कहा- सर्कस ज्वाइन कर रहे हो क्या

नई दिल्ली। रणवीर सिंह अपने अभिनय के साथ-साथ अपने फैशन सेंस के लिए भी काफी मशहूर है। उनका फैशन कभी फैन्स को पसंद आता है, तो कभी उसी फैशन के लिए रणवीर सिंह सोशल मीडिया

पर बुरी तरह से ट्रोल हो जाते है। इन दिनों बॉलीवुड के बेफिक्रे एक्टर अपनी आगामी फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' के प्रमोशन में व्यस्त है। फिल्म में रणवीर सिंह गुजराती किरदार निभाते हुए दिखाई देंगे। अपनी आगामी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हाल ही में रणवीर सिंह का ऐसा अतरंगी फैशन देखने को मिला जिसे देखकर फैन्स का भी सिर चकरा गया और लोगों ने उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल कर दिया। जयेशभाई जोरदार के प्रमोशन में व्यस्त रणवीर सिंह की एनर्जी इन दिनों एकदम हाई है। हाल ही में सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने रणवीर सिंह का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में पद्मावत एक्टर व्हाइट रंग की शर्ट में नजर आए, जो काफी हलकी है और काफी फ्लावरी है, अपनी शर्ट के साथ रणवीर ने नीचे कलरफुल प्लाजो पहना और आंखों पर गॉगल्स लगाए पूरी एनर्जी में नजर आ रहे हैं। रणवीर सिंह की शर्ट के आगे के बटन खुले है और गले में उन्होंने लॉकेट पहना है। इतना ही नहीं रणवीर सिंह गाड़ी पर बैठकर अपना स्वैग दिखाते हुए भी नजर आए। रणवीर का फैशन देखते ही बन रहा है। रणवीर सिंह की एनर्जी देखते ही बन रही है। उनकी जोरदार एनर्जी और अनोखा फैशन जहां कुछ लोगों को खूब पसंद आ रहा है। तो वही सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स उनके इस अनोखे फैशन सेंस के लिए एक्टर को ट्रोल कर रहे है। एक यूजर ने ट्रोल करते हुए लिखा, 'क्या आप सर्कस ज्वाइन कर रहे हो, तो वही दूसरे यूजर ने रणवीर सिंह के आउटफिट का मजाक उड़ाते हुए लिखा, 'क्या इन्होंने दीपिका का आउटफिट पहना है, पक्का हां। अन्य यूजर ने लिखा, 'ये इस तरह के कपड़े क्यों पहनते हैं'। लोग सोशल मीडिया पर रणवीर सिंह को उनके आउटफिट के लिए बुरी तरह ट्रोल कर रहे हैं। यशराज बैनर तले बनी रणवीर सिंह की फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और हाल ही में फिल्म का एक गाना रिलीज किया गया है। एक तरफ जहां सितारों को ट्रेलर पसंद आया तो वही सोशल मीडिया पर लोगों से फिल्म के ट्रेलर को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। रणवीर सिंह के अलावा इस फिल्म में शालिनी पांडे, बोमन ईरानी और रतन पाठक शाह अहम भूमिका में है। यह फिल्म 13 मई 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है, फिल्म का निर्देशन दिव्यांग ठक्कर ने किया है।

मुनव्वर फारूकी 6 साल की उम्र में हुए थे इस ट्रॉमा का शिकार सीक्रेट सुन प्रिंस नरूला ने कॉमेडियन को लगाया गले

नई दिल्ली। ऑल्ट बालाजी के रिएलटी शो 'लॉक अप' में कंटेस्टेंट्स के एक से बढ़कर एक राज सुनने को मिल रहे हैं। जो कभी मजेदार तो कभी ट्रॉमेटिक होते हैं। शो में बने रहने के लिए 'लॉक

अप' का यही कॉन्सेप्ट है, जिसके चलते कैदियों को अपने ये सीक्रेट्स बताने पड़ते हैं। शो के लेटेस्ट एपिसोड में मुनव्वर फारूकी ने हैरान कर देने वाला अपना एक सीक्रेट बताया है। जो उनके बचपन से जुड़ा हुआ है, जब वह 6 साल के थे। लॉक अप' के इस एपिसोड का प्रोमो ऑल्ट बालाजी के इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया गया है। जिसमें दिखाया गया है कि मुनव्वर फारूकी का नाम इस हफ्ते चार्जशीट में शामिल है। उनके साथ इस लिस्ट में सायशा शिंदे, अंजलि अरोड़ा और आजमा फला भी हैं। जजमेंट डे पर होस्ट कंगाना रनोट सभी को अपना सीक्रेट रिवील कर सेफ होने का मौका देती हैं। इसके बाद कंगना चार प्रतियोगियों को बेनकाब जोन में जाने के लिए कहती हैं। सभी को सीक्रेट से जुड़े शब्द स्क्रीन पर दिखाया जाता है और बाद में कंगना चारों कैदियों को बजर दबाने के लिए कहती हैं। जिसमें पहली बाजी मुनव्वर को मिली। बजर राउंड के बाद कंगना ने कहा कि मुनव्वर अपना राज बाताएंगे। इसके बाद मुनव्वर कहते हैं, 'मैंने कभी ये चीज किसी से शेयर नहीं की क्योंकि मुझे उन लोगों का सामना करना पड़ता था। जब मैं 6 साल का था। ऐसा होता है बहुत क्लोज फैमिली होती है और कभी-कभी मुझे उस वक्त नहीं समझ आता था। और 4-5 साल तक लगातार चलता रहा। चौथे साल जब वह चीज बहुत ज्यादा हो गई' वीडियो में मुनव्वर का सीक्रेट सुनकर हर कोई इमोशनल हो जाता है। यहां तक कि कंगना भी चौंक जाती हैं। कॉमेडियन का सीक्रेट सुनकर प्रिंस नरूला, मुनव्वर को गले लगा लेते हैं और उन्हें हिम्मत देते नजर आते हैं।प्रोमो में पूरा सीक्रेट रिवील नहीं किया गया। लेकिन मुनव्वर की बातों से ऐसा लग रहा है कि यह शायद चाइल्ड अब्यूज या फिर बुलिंग से जुड़ा हुआ है। जो आज रात के एपिसोड में साफ हो जाएगा कि मुनव्वर के साथ 6 साल की उम्र में क्या हुआ था।

दिवंगत लता मंगेशकर ने ठुकरा दिया था शादी में गाने के लिए ऑफर हुए करोड़ों डॉलर को, स्वर कोकिला को लेकर बहन आशा भोंसले ने किया खुलासा

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा और संगीत की दिग्गज गायिका लता मंगेशकर अब इस दुनिया में नहीं रहीं, लेकिन उनसे जुड़ी ढेर सारी यादें अक्सर चर्चा में बनी रहती है। दिवंगत गायिका के परिवार वाले भी उनसे जुड़ी यादों को हमेशा शेयर करते रहते हैं। अब लता मंगेशकर की बहन दिग्गज गायिका आशा भोंसले ने उनसे जुड़ी बेहद खास बात का खुलासा किया है। रविवार को पहली बार मुंबई में लता दीनानाथ मंगेशकर अवॉर्ड का आयोजन हुआ। इस इवेंट में लता मंगेशकर के करीबियों ने उनसे जुड़े ढेर सारी यादों को शेयर किया। उनके बारे में बात करते हुए आशा भोंसले ने बताया कि लता मंगेशकर को शादियों में गाना गाना बिल्कुल पसंद नहीं था। चाहे उन्हें उसके लिए कोई कितने भी रुपये देता हो लेकिन वह कभी भी शादी में गाना गाने नहीं गईं। आशा भोंसले ने

कहा, 'किसी ने हमें शादी के लिए आमंत्रित किया था। उनके पास मिलियन डॉलर या पाउंड के टिकट थे। उसने कहा कि वे आशा भोंसले और लता मंगेशकर को गाना गवाने चाहता है। और दीदी (लता मंगेशकर) मुझसे पूछती थीं कि क्या तुम शादी में गाओगे' मैंने कहा कि मैं नहीं करूंगी और उसके बाद उन्होंने इस शख्स से कहा कि अगर आप 10 करोड़ डॉलर की पेशकश भी करते हैं तो भी हम नहीं गाएंगे, क्योंकि हम शादियों में नहीं गाते हैं'। वह इंसान यह जानकर बहुत निराश हो गया था।' इसके अलावा आशा भोंसले ने लता मंगेशकर को लेकर और भी ढेर सारी बातें कीं। आपको बता दें कि रविवार 24 अप्रैल को पहला लता दीनानाथ मंगेशकर अवॉर्ड हुआ। इस अवॉर्ड से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया गया है। पीएम मोदी ने उषा मंगेशकर, आशा भोंसले, महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, महाराष्ट्र में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस सहित अन्य की उपस्थिति में पुरस्कार हासिल किया। गौरतलब है कि लता दीनानाथ मंगेशकर अवॉर्ड उन शख्सियतों को देने के लिए शुरू हुआ है जिसने देश, उसके लोगों और हमारे समाज के लिए पथप्रदर्शक, शानदार और अनुकरणीय योगदान दिया हो। यह पुरस्कार हर साल दिया जाएगा। इस बात की जानकारी मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान चैरिटेबल ट्रस्ट ने हाल ही में एक बयान जारी करके दी है।

सबके सामने रिपोर्टर ने माहिरा शर्मा से पूछ लिया ऐसा सवाल, गुस्सा में एक्ट्रेस ने जवाब देने के कर दिया मना

नई दिल्ली। टीवी के रियलिटी शो बिग बॉस 13 की एक्स कंटेस्टेंट माहिरा शर्मा एक रिपोर्टर के सवाल पर भड़क गई हैं। इतना ही नहीं वह गुस्से में रिपोर्टर के सवाल का जवाब दिए बिना वहां से चली गईं। दरअसल बीते कुछ दिनों से माहिरा

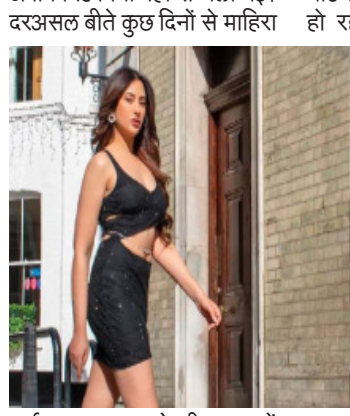

शर्मा का वजन पहले की तुलना में थोड़ा बढ़ा हुआ दिख रहा है। ऐसे में अभिनेत्री के फैंस उनके वजह को लेकर कई बार बात कर चुके हैं। माहिरा शर्मा के बढ़े वजन को लेकर ही एक पंजाबी रिपोर्टर उनसे सवाल किया तो वह भड़क गईं और जवाब दिए बिना वहां से उठकर चली गईं। माहिरा शर्मा की इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में रिपोर्टर उनसे सवाल करने से पहले पंजाबी में कहता है, 'लोग सेलेब्स को किसी भी तरीके से जीने नहीं देते, कभी लोग कहते हैं कि ज्यादा पतले हो गए, कभी लोग कहते हैं कि ज्यादा मोटे हो गए। इनके साथ भी यही हो रहा है, मेरे साथ है माहिरा रिपोर्टर माहिरा से अपना सवाल करने ही वाला था कि वह भड़क गईं और गुस्से में वहां से चली गईं। माहिरा ने गुस्से से कहा- मुझे यह सवाल पसंद नहीं आया। यह अच्छा सवाल नहीं है।' इसके बाद छोटे पर्दे की यह अभिनेत्री गुस्सा में वहां से चली जाती हैं। अब सोशल मीडिया पर माहिरा शर्मा का यह वीडियो वायरल हो रहा है। अभिनेत्री के फैंस और तमाम सोशल मीडिया उनके वीडियो पर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वहीं कई लोग उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। बात करें माहिरा शर्मा के वर्कफ्रंट की तो वह जल्द पंजाबी फिल्म द रेडुआ रिटर्न्स में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म साल 2018 में आई फिल्म रेडुआ का सीक्वल है। यह एक साइंस फिक्शन फिल्म है और टाइम ट्रैवल पर आधारित है। फिल्म 2255 के अंत के साथ शुरू होती है, जहां वह भविष्य की खोज करते हैं और महसूस करते हैं कि कैसे मनुष्यों ने ग्रह पृथ्वी को खराब कर दिया है। फिल्म में टाइम मशीन और रेडियो की अहमियत को दिखाया गया है। माहिरा शर्मा के अलावा फिल्म द रेडुआ रिटर्न्स में अभिनेत्री सतिंदर सत्ती, कॉमेडियन बीएन शर्मा, डब्बूडब्बूई रेस्लर द ग्रेट खली और गुरप्रीत घुग्गी भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डी जी ई टी -6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रस्तावित व्यवसायों में अगस्त 2021में प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्युनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रकिया :– इस प्रकिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रकिया :– इस प्रकिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुल्सीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल,
एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734,
7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274